मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 147
बुधवार, 11 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

केंद्र और कर्नाटक को सूखा सहायता से संबंधित मुद्दे का समाधान करना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 10 दिसम्बर। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि केंद्र और कर्नाटक सरकार को सूखा प्रबंधन के वास्ते राज्य के लिए एनडीआरएफ से वित्तीय सहायता जारी करने के मुद्दे का समाधान करना चाहिए। केंद्र की ओर से पेश हुए अटार्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ से कहा कि उन्हें इस मामले में हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। पीठ ने कहा, आपको इसका समाधान करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय कर्नाटक सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें केंद्र को यह निर्देश देने की अपील की गई है कि वह सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को एनडीआरएफ से वित्तीय सहायता जारी करे।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, अब तक कितनी (सहायता) राशि जारी की गयी है?

कर्नाटक की ओर से पेश वकील ने कहा कि राज्य ने 18,171 करोड़ रुपये की मांग की थी और उसे 3,819 करोड़ रुपये दिए गए हैं। पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की। केंद्र ने 29 अप्रैल को शीर्ष अदालत को बताया था कि सूखा प्रबंधन के लिए कर्नाटक सरकार को लगभग 3,400 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। याचिका में यह घोषित करने की अपील की गई है कि एनडीआरएफ के अनुसार सूखा प्रबंधन के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता जारी न करने का केंद्र का निर्णय संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत राज्य के लोगों के मौलिक अधिकारों का पूर्व-दृष्टया उल्लंघन है।

याचिका में कहा गया है कि राज्य भयंकर सूखे की चपेट में है जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उसने कहा कि 2023 के खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में 236 में से 223 तालुके सूखा प्रभावित घोषित किये गये थे। कर्नाटक ने कहा कि एनडीआरएफ के तहत केंद्र से18,171.44 करोड़ रुपये की सहायता मांगी गयी थी। याचिका में कहा गया है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 और 2020 में अद्यतन की गयी सूखा प्रबंधन नियमावली के तहत कर्नाटक को वित्तीय सहायता देने से इनकार करने में केंद्र की मनमानी कार्रवाई के खिलाफ राज्य शीर्ष अदालत का रुख करने के लिए बाध्य हुआ।

180 साल पुराने नूरी जामा मस्जिद पर चला योगी सरकार का बुलडोजर, अवैध हिस्से को किया जमींदोज

फतेहपुर, 10 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में 180 साल पुरानी नूरी जामा मस्जिद के एक बड़े हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा नोटिस जारी करने के बाद मंगलवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। एक अधिकारी ने कहा कि बांदा सागर रोड पर ललौली शहर में स्थित मस्जिद समिति द्वारा दो नोटिस जारी किए जाने के बाद भी अतिक्रमण हटाने में विफल रहने के बाद विध्वंस हुआ। जिस हिस्से को ढहाया गया, उसका निर्माण पिछले तीन वर्षों में बांदा-बहराइच रोड पर मस्जिद का विस्तार करने के लिए किया गया था, जिससे सड़क के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हुई।

ध्वस्त खंड का निर्माण पिछले तीन वर्षों में बांदा-बहराइच रोड (राज्य राजमार्ग 13) पर मस्जिद का विस्तार करने के लिए किया गया था, जिससे सड़क के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हुई। मस्जिद को गिराने के लिए ढहऊ विभाग ने एक महीने पहले नोटिस दिया था। यूपी सरकार ने कहा कि फतेहपुर जिले के बहराइच-बांदा मार्ग (एसएच-13) को चौड़ा करने के लिए पीडब्ल्यूडी सड़क किनारे अवैध निर्माण हटा रहा है। आज ललौली में नूरी मस्जिद प्रबंध कमेटी द्वारा किये गये अवैध निर्माण को सौहार्दपूर्वक हटाया गया।

इसके साथ ही कहा गया है कि अवैध निर्माण को लेकर पीडब्ल्यूडी ने 17 अगस्त को कमेटी को नोटिस जारी किया था। 24 सितंबर को पीडब्ल्यूडी ने अवैध निर्माण तोड़ने का अभियान चलाया था। उस वक्त मस्जिद प्रबंधन कमेटी ने कहा था कि वे अवैध निर्माण को खुद ही तोड़ देंगे, लेकिन ऐसा नहीं कर सके।

पुलिस मुठभेड़ में गौतस्कर, गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में आज थानाध्यक्ष खेतासराय मय टीम के सोंगर (आजमगढ़) बार्डर पर संदिग्ध वाहन/संदिग्ध व्यक्ति की चेंकिग कर रहे थे कि समय करीब 18.00 सुपर स्पेल्नडर सवार से दो व्यक्ति तेज रफ्तार से आते हुए दिखाई दिये। जिन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो मो0सा0 बदमाशो द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करते हुए मानीकला के तरफ भागने लगे उक्त घटना की सुचना थाना खेतासराय द्वारा कंट्रोल रुम व प्र0नि0 सरायख्वाजा को दी गयी । मो0सा0 बदमाश सोंगर भदेठी गाँव की तरफ भागने लगे । सोंगर भदेठी बार्डर पर आगे से प्र0नि0 सरायख्वाजा की टीम तथा पीछे से थानाध्यक्ष खेतासराय की टीम से घिर जाने पर मो0सा0 बदमाश सड़क पर मो0सा0

छोड़कर पुलिस पार्टी पर जान मारने की नीयत से फायर करने लगे । आत्मरक्षा में पुलिस टीम द्वारा भी फायर किया गया । जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया । दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया । घायल बदमाश का नाम दिलशाद पुत्र स्व0 मुस्लिम नि0 रानीमऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर तथा मौके से एक अदद सुपर स्पेलन्डर व एक तमंचा 315 बोर व 02 खोखा कारतुस व एक जिंदा कारतुस बरामद किया गया है । घायल अभियुक्त थाना खेतासराय का एच0एस व गौतस्कर है । फरार अभियुक्त के गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा है ।

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष पद पर रवीन्द्र नाथ महतो निर्विरोध चुने गये

रांची, 10 दिसम्बर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक रबींद्र नाथ महतो मंगलवार को लगातार दूसरी बार झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। उन्हें निर्विरोध चुना गया क्योंकि विपक्ष ने कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करने का फैसला किया था। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव रखा। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। झामुमो विधायक झारखंड विधानसभा के पिछले कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष भी थे।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से महतो को बधाई दी। सोरेन ने बधाई संदेश में कहा कि आपके नेतृत्व में हमने पांचवीं झारखंड विधानसभा का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया। आपने सदन की गरिमा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि हमें आशा और पूर्ण विश्वास है कि पिछले सत्रों की तरह, हम इस राज्य के समग्र विकास के लिए लोकतंत्र के इस मंदिर में एकजुट होंगे। सोरेन ने विपक्षी नेताओं से लोगों के जनादेश का सम्मान करने और राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने का अनुरोध किया।

महतो ने एक्स पर लिखा कि सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री, सभी दलों के नेताओं और सदस्यों ने मेरे प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके लिए हार्दिक आभार। मेरा प्रयास रहेगा कि सदन में संवाद को अधिक सशक्त बनाते हुए आम सहमति से राज्य के नागरिकों की आशाओंझअपेक्षाओं को पूरा करें। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा नेता माधव चंद्र महतो को 10,483 मतों के अंतर से हराने के बाद महतो ने झामुमो के टिकट पर नाला विधानसभा सीट बरकरार रखी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और धनवार विधायक बाबूलाल मरांडी ने भी विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर महतो को बधाई दी और अध्यक्ष से विपक्ष की बात सुनने का आग्रह किया क्योंकि वे सदन में वास्तविक मुद्दे और जानकारी लाते हैं।

उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। विधायक अक्सर सदन में ज्वलंत मुद्दे उठाते हैं लेकिन उसके बाद उन्हें ज्यादा महत्व नहीं मिलता है।

सपा में मिल्कीपुर सीट पर टिकट विवाद, पिछड़ों के नेता सूरज चौधरी ने पार्टी छोड़ी

लखनऊ। श्रीराम की नगरी अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में टिकट को लेकर कलह और परिवार की लड़ाई शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सूरज चौधरी ने सांसद अवधेश प्रसाद पर परिवाद का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी है, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। सपा नेता सुब्रत पाठक ने कहा कि सपा अध्यक्ष तो परिवार के लोगों को ही टिकट देते हैं। यही उनकी परंपरा है, बता दें कि मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव होना है सपा ने इस सीट से फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिया है।

मणिपुर के इंफाल में एएफएसपीए के विरोध में रैली, सैकड़ों लोग सड़क पर निकले

इंफाल, 10 दिसम्बर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मणिपुर के इंफाल में हजारों लोग सशस्त्र बल विशेष शक्ति अधिनियम (एएफएसपीए), 1958 को हटाने की मांग करते हुए सड़कों पर उतरे। उन्होंने मानवाधिकारों की सुरक्षा की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पश्चिम जिले के थांगमीबंद थाउ ग्राउंड से इंफाल सिटी बाजार और ख्वायरमबंद कीथेल से खुमान लैंपक तक रैली निकाली। उन्होंने 'अफस्पा हटाओ, अफस्पा हटाओ' और 'आत्मनिर्णय हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है' जैसे नारे लगाए रैली का आयोजन ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) के नेतृत्व में पांच नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया गया था। विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले अन्य संगठनों में पोइरेई लीमारोल मीरा पैबी अपुनबा मणिपुर, ऑल मणिपुर महिला स्वैच्छिक संघ, मानवाधिकार समिति सीओएचआर और मणिपुर स्टूडेंट फेडरेशन शामिल हैं।

दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल को लगा बड़ा झटका, आप विधायक ने छोड़ी पार्टी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका देते हुए सीलमपुर विधायक अब्दुल रहमान ने मंगलवार को पार्टी छोड़ दी। अपने इस्तीफे पत्र में रहमान ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अपने राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक मुद्दों से बचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। पार्टी ने सत्ता की राजनीति में उलझकर मुसलमानों के अधिकारों को नजरअंदाज किया, अरविंद केजरीवाल ने हमेशा जनता के मुद्दों से भागकर अपनी राजनीति की। इंसाफ और हक की लड़ाई लड़ता रहूँगा।

सरवन सिंह पंढेर का ऐलान, 14 दिसंबर को फिर से शुरू करेंगे दिल्ली मार्च

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। किसानों ने सरकार की ओर से बातचीत के लिए निमंत्रण न मिलने का हवाला देते हुए 14 दिसंबर को एक बार फिर दिल्ली मार्च करने की योजना की घोषणा की है। किसान नेताओं ने कहा कि 101 किसानों का एक समूह इस विरोध प्रदर्शन के तहत दिल्ली जाएगा। इस कदम का उद्देश्य न्यूनतम समर्थन मूल्य और ऋण माफी के लिए कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों के लिए सरकार पर दबाव डालना है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने घोषणा की कि शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसान 14 दिसंबर को एक बार फिर दिल्ली की ओर मार्च करेंगे।

पंधेर ने कहा कि उनके विरोध प्रदर्शन को अब 303 दिन हो गए हैं और न्याय की मांग को लेकर

किसानों का अनशन 15वें दिन पर पहुंच गया है। पंधेर ने इस बात पर जोर दिया कि किसान हमेशा बातचीत के लिए खुले हैं, लेकिन उनके प्रयासों के बावजूद सरकार ने उनसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा बातचीत का स्वागत किया है, लेकिन सरकार की ओर से किसी ने भी हमसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कल (बुधवार) हम अपने आंदोलन की सफलता के लिए प्रार्थना करेंगे।

हम उन किसानों की रिहाई की भी मांग करते हैं जिन्हें विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है। पंधेर ने फिल्मी सितारों, गायकों और धार्मिक नेताओं से विरोध को प्रचारित करके उनके मुद्दे का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं उनसे हमारे हित के लिए आवाज उठाने का अनुरोध करता हूं। किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए है। उस समय सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया गया था। किसान एमएसपी के अलावा कर्ज माफी, किसानों एवं खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली दरों में बढ़ोतरी न करने की मांग कर रहे हैं।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें एवं मुश्किलें

-ललित गर्ग

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है।

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है।

महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं?

विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इंडिया गठबंधन का मूल उद्देश्य भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करना है, लेकिन इसके लिये कांग्रेस एवं गठबंधन प्रभावी मुद्दें प्रस्तुत करने में नाकाम रही है। जबकि भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गढ़ने में क्यों असफल रहे? इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता राहुल गांधी की इन स्थितियों पर गंभीर मंथन कर रहे हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। जिससे कांग्रेस तो कमजोर हो ही रही है, इंडिया गठबंधन भी कमजोर होता जा रहा है, यही बड़ा कारण है इसके बिखराव का, टूटन का।

सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा की लापरवाही

-- डॉ. सत्यवान सौरभ

उत्तर प्रदेश के झांसी में एक अस्पताल में लगी दुखद आग, जिसमें 11 नवजात शिशुओं की जान चली गई, भारत के सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा उपायों की विफलता को उजागर करती है। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) और अग्नि सुरक्षा और रोकथाम नियमों के बावजूद, कई अस्पताल इन विनियमों का पालन नहीं करते हैं। यह बेहतर अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन और भविष्य में जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए बुनियादी ढांचे में महत्त्वपूर्ण उन्नयन की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ अग्नि सुरक्षा कार्यान्वयन में त्रुटिपूर्ण हैं। भ्रष्टाचार और अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने में उचित निगरानी की कमी के कारण कई अस्पताल निर्धारित अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने में विफल रहते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, कई अस्पताल विनियामक जाँच को दरकिनार कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप असुरक्षित संरचनाएँ बन जाती हैं जो अग्नि सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती हैं।

अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और योजनाः अनुचित योजना और घटिया निर्माण के कारण अक्सर सार्वजनिक संस्थानों, विशेषकर अस्पतालों में आग का खतरा पैदा होता है। कोलकाता एएमआरआई अस्पताल में आग लगने की घटना (2011) ने संरचनात्मक योजना में गंभीर खामियों को उजागर किया, जैसे कि अवरुद्ध भागने के रास्ते और अपर्याप्त अग्नि निकास, जिसने बड़ी संख्या में मौतों में योगदान दिया। जागरूकता और प्रशिक्षण की कमी जैसे चिकित्सा कर्मचारी और अग्नि सुरक्षा कर्मियों को अक्सर आग की रोकथाम, आपातकालीन निकासी या अग्निशमन तकनीकों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। मुंबई (2020) में एक कोविड -19 सुविधा में आग लगने से तैयारियों की कमी का पता चला, अस्पताल के कर्मचारी अपर्याप्त प्रशिक्षण और जागरूकता के कारण आग की आपात स्थिति को संभालने में असमर्थ थे। कई अस्पताल, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने या पर्याप्त अग्निशमन उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी रखते राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट में 2022 में 7, 500 से अधिक आग दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 7, 435 मौतें हुईं, जो खराब प्रवर्तन के गंभीर परिणामों को दर्शाता है। कई अस्पतालों में आग के खतरों से बचाव के लिए समर्पित निकासी मार्ग, अग्निरोधी सामग्री और अन्य आवश्यक बुनियादी ढाँचे का अभाव है। उपहार सिनेमा अग्नि (1997), जिसमें 59 लोग मारे गए थे, अपर्याप्त निकास बिंदुओं के कारण और भी गंभीर हो गई थी, जो एनबीसी और एनडीएमए दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित मजबूत निकासी योजना की आवश्यकता को उजागर करती है। भारत में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अग्नि सुरक्षा मानकों के कार्यान्वयन में भिन्नताएँ क्षेत्रीय असमानताएँ पैदा करती हैं। इन चुनौतियों का समाधान करने के उपाय निगरानी और विनियमन को मजबूत करना है। अग्नि सुरक्षा मानदंडों की मजबूत निगरानी सुनिश्चित करना और सभी अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य बनाना अनुपालन में सुधार कर सकता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के लिए एनडीएमए के दिशानिर्देशों को नियमित निरीक्षण और गैर-अनुपालन के लिए दंड के साथ और अधिक सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। अस्पतालों को आधुनिक अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, जिसमें फायर अलार्म, स्प्रिंकलर और अग्नि शमन प्रणाली शामिल हैं। दिल्ली के एम्स में अग्नि सुरक्षा उपाय, जिसमें उन्नत अग्नि पहचान और दमन प्रणाली शामिल हैं, अन्य अस्पतालों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकते हैं। आपातकालीन प्रक्रियाओं पर अस्पताल के कर्मचारियों के लिए नियमित अग्नि सुरक्षा अभ्यास और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। एनडीआरएफ द्वारा शुरू किए गए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को किसी संकट के दौरान कर्मचारियों की तत्परता सुनिश्चित करने के लिए सभी अस्पतालों में दोहराया जा सकता है। सरकारों और अस्पताल अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे और नियमित रखरखाव के लिए अधिक धन आवंटित करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) नए अस्पताल परियोजनाओं के लिए अपने वित्त पोषण प्रस्तावों के अनिवार्य हिस्से के रूप में अग्नि सुरक्षा को शामिल कर सकता है, विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में। अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने से बेहतर सतर्कता और सुरक्षा मानकों के पालन को बढ़ावा मिल सकता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान अग्नि रोकथाम और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में ज्ञान फैलाने में मदद कर सकते हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने वाले अस्पतालों को सब्सिडी या अनुदान जैसे प्रोत्साहन प्रदान करने से कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। झांसी में अस्पताल में लगी दुखद आग सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन में चल रही खामियों की एक स्पष्ट याद दिलाती है। जापान जैसे देशों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, जहाँ आग से होने वाली मौतों की दर सबसे कम है, एक मार्गदर्शक प्रकाश हो सकता है। सरकार को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने, विनियमन को बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान अग्नि रोकथाम और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में ज्ञान फैलाने में मदद कर सकते हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने वाले अस्पतालों को सब्सिडी या अनुदान जैसे प्रोत्साहन प्रदान करने से बेहतर कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। झांसी में अस्पताल में लगी दुखद आग सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन में चल रही खामियों की एक स्पष्ट याद दिलाती है। जापान जैसे देशों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, जहाँ आग से होने वाली मौतों की दर सबसे कम है, एक मार्गदर्शक प्रकाश हो सकता है। सरकार को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने, विनियमन को बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

राजलनीति लोक व्यवहार लोकप्रिय बनें, सफल

-उमेश कुमार सिंह

इस संसार में अकेले रहना संभव ही नहीं, चाहे दिन हो या रात, चाहे जाड़ा हो या बरसात, चाहे घर के अंदर हो या घर के बाहर आपको लोगों से मिलना ही पड़ता है और आपकी खुशी और आपकी सफलता का बहुत बड़ा प्रतिशत इस बात पर निर्भर करता है कि आप लोगों से कैसे व्यवहार करते हैं। सरल शब्दों में जो लोग लोक व्यवहार की कला में माहिर होते हैं उनका जीवन सुखमय और सफल तो होता ही है साथ ही साथ उनकी लोकप्रियता भी बढ़ती है और जो लोग इस कला में पीछे रह जाते हैं, दुर्भाग्यवश उन्हें जीवन में - दूसरों से सहयोग पाने में, अपनी बातों को समझाने और मनवाने में समस्याएं आती हैं, जिसकी वजह से उनके जीवन में दुख और असंतोष बढ़ जाता है। डायमंड बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक राजलनीति लोक व्यवहार लोकप्रिय बनें, सफल बनें जिसके लेखक राजल गुप्ता है।

राजल बेस्ट सेलर लेखक व वक्ता हैं। उनकी पुस्तक राजलनीति टाइम मैनेजमेंट और राजलनीति स्ट्रेस मैनेजमेंट बेस्ट सेलर रही है। टाइम मैनेजमेंट और स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर किसी भी भारतीय लेखक की किताब का अनुवाद इतनी भाषाओं में नहीं हुआ जितनी कि राजल द्वारा लिखित पुस्तकों का हुआ है। राजलनीति श्रृंखला की पुस्तकें 14 से अधिक भाषाओं में अनुवादित हो चुकी हैं और भी कई अन्य भाषाओं में तेजी से अनुवाद की जा रही है ।

राजलनीति लोक व्यवहारह्व को 6 खंडों में बाँटा है :- पहला खंड जिसमें आप खुद के साथ तालमेल कैसे बैठाएँह्व विषय पर । 2- दूसरे खंड में दूसरों के साथ लोक व्यवहार और बेहतर तालमेल कैसे स्थापित करेंह्व विषय पर। 3- तीसरे खंड में ह्वलोक व्यवहार की कलाह्व में महारथी बनने की तकनीकों के बारे में बताया गया है । 4- चौथे खंड हम लोक व्यवहार से जुड़ी कुछ और महत्त्वपूर्ण बातोंह्व पर। 5-पाँचवे खंड अन्य क्षेत्रों के लोक व्यवहार पर। 6-छठवें खंड में हम समापन यानी अंत में लोक व्यवहार से जुड़ी।

अगर आप सिर्फ.लोक व्यवहार की कला को इस्तेमाल करने की बातों को ही जानना चाहते हैं तो सीधे खंड 3 पर जाएँ, जहां आपको प्रशंसा कैसे करें, धन्यवाद कैसे दें, गुस्से से कैसे बचे, आलोचना से कैसे निपटें और अगर आपको आलोचना करनी हो तो कैसे करें, मुस्कुराना आवश्यक क्यों है इत्यादि जैसी महत्त्वपूर्ण लोक व्यवहार की कलाओं पर जानकारी दी गयी है ।

राजलनीति लोक व्यवहार पढ़िये और जानिए की लोक व्यवहार की कला के महारथी कैसे दूसरे लोगों के साथ इतनी आसानी से तालमेल बना लेते हैं और लोकप्रिय और सफल बनते हैं ।लोक व्यवहार की कला में महारथ कैसे हासिल करें - कैसे लोक व्यवहार की कला आपको एक अच्छा इंसान बनाएगी? कैसे लोक व्यवहार की कला आपको लोकप्रिय बनाएगी और आपके मित्रों और शुभचिंतकों की संख्या बढ़ाएगी? कैसे लोक व्यवहार की कला आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगी? कैसे लोक व्यवहार की कला आपको ज्यादा खुश व उत्साही बनाएगी? कैसे लोक व्यवहार की कला आपके परिचित का दायरा और आपका नेटवर्क बढ़ाएगी? कैसे लोक व्यवहार की कला आपको धनवान बनने में और धन बचाने में भी आपकी सहायता करेगी?

आप इस पुस्तक को केवल एक बार पढ़कर न रखें बल्कि इसका अध्ययन नियमित अंतराल पर करते रहें क्योंकि जब आप किसी किताब को दोबारा पढ़ते हैं तो आपको उसमें कुछ ऐसा दिखता है जो आपको पिछली बार दिखाई नहीं दिया था। और हर बार जब आप किताब को दोबारा पढ़ेंगे तो आपको कुछ नया और उपयोगी मिलेगा। एक और भी कारण है कि आपको किताब को दोबारा पढ़ना चाहिए और वह है हमारी भूलने की आदत, हम चीजों को बहुत तेजी से भूलते जातें हैं और चीजें हमारे दिमाग में रहे, इसलिए हमें बार-बार उन्हें दोहराना पड़ता है। इसलिए कंपनियाँ अपने प्रोडक्ट के प्रचार को बार-बार दिखाती हैं ताकि उनका प्रोडक्ट हमारे दिमाग में हमेशा रहे।

एक आदमी जो अपना वजन कम करने के उद्देश्य से एक एक्सरसाइज साइकिल खरीदने के लिए इसकी दुकान पर गया ।उसने दुकानदार से पूछा कि इस साइकिल से मेरा कितना वजन कम हो जाएगा, इस पर दुकानदार ने मुस्कुरा कर जवाब दिया आप जितना अधिक साइकिल चलाएंगे उतना ही अधिक आपका वजन कम होगा। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि जैसे उस वजन कम करने वाले व्यक्ति का वजन कम होना इस बात पर निर्भर है कि वह एक दिन नहीं बल्कि नियमित रूप से वह कितनी देर तक साइकिल चलाता है उसी प्रकार आपका लोक व्यवहार की कला में माहिर होना (लोकप्रिय और सफल बनना) भी इस बात पर निर्भर है कि आप राजलनीति लोक व्यवहारह्व में बताए गए सिद्धांतों को कितनी बार पढ़ते हैं और कितनी बार अमल में लाते हैं ।

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

-प्रियंका सौरभ

विभिन्न शैक्षिक सुधारों और नीतियों के बावजूद, भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली को बहुआयामी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्त्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जो लंबे समय तक चलने वाले शैक्षणिक पथ और सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के बीच की खाई के कारण चुनौतियों का सामना कर रही है। कई सुधारों के बावजूद, इन मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए आमूलचूल परिवर्तन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता बनी हुई है। इस बदलाव का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की मांगों के अनुरूप कौशल प्रदान करना, जीवन के मील के पत्थर और आधुनिक चुनौतियों के लिए तत्परता बढ़ाना है।

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में, परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँः शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद, तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिएः डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता वास्तविक दुनिया के कौशल के साथ संरेखण की मांग करती है। आमूलचूल परिवर्तन छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की मांगों के साथ संरेखित कर सकता है। फि नलैंड की शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक कौशल और हाथों से सीखने पर जोर देती है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों की अधिक सहभागिता और रोजगार क्षमता होती है। आमूलचूल सुधार लचीले शिक्षा मार्ग प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्रों को उनकी रुचियों के आधार पर अलग-अलग सीखने के मार्ग अपनाने की अनुमति मिलती है। जर्मनी की दोहरी शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक शिक्षा और अकादमिक शिक्षा के बीच संतुलन प्रदान करती है, जिससे रोजगार क्षमता में सुधार होता है। अधिक छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव से छात्रों में रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक तर्क को बढ़ावा मिलेगा। इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (IB) कार्यक्रम रचनात्मकता, संस्कृति और संज्ञानात्मक कौशल सहित छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

आमूलचूल परिवर्तन उच्च-दांव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल-आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरूआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफलाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है। स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिएः जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडलः क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए ठएढ 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

देश में स्त्रियों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति पर समग्र मूल्यांकन की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है, इनके अधिकारों और नई भूमिका के सही मूल्यांकन महती जरूरत है। आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है। नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है। स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या पुत्र। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी।

महाटेक 2024 बी2बी औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन

मुंबई। उन्नत प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और समाधानों को प्रदर्शित करने वाली प्रमुख बी2बी औद्योगिक प्रदर्शनी '21वीं महाटेक 2024' का आयोजन 12 से 14 दिसंबर तक सिडको एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, वाशी, नवी मुंबई में होगा। इस तीन दिवसीय औद्योगिक प्रदर्शनी में 150 से ज्यादा कंपनियां हिस्सा लेंगी। मराठे इन्फोटेक की निदेशक गौरी मराठे और युवा उद्यमी सुमुख मराठे भाई-बहन हैं, जिन्होंने अपने पिता के बाद महाटेक की कमान संभाली है। यह प्रदर्शनी व्यवसायिक, पेशेवर और छात्रों के लिए खुली है और इसमें प्रवेश निःशुल्क है। यह प्रदर्शनी एसएमई और एमएसएमईज के उत्पादों को प्रदर्शित करती है। इसमें इंजीनियरिंग, मशीनरी, प्रक्रिया उपकरण, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रुमेंटेशन और ऑटोमेशन जैसे कई औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। प्रदर्शनी में हर क्षेत्र में नए उत्पाद, मशीनरी, उपकरण और प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनी के लिए चैम्बर ऑफ स्मॉल इंडस्ट्रीज असोसिएशन, ठाणे स्मॉल इंडस्ट्रीज असोसिएशन, ऑल इंडिया असोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज का सहयोग मिला है। सुमुख मराठे कहते हैं, ''महाटेक महाराष्ट्र में सबसे बड़ी बी2बी औद्योगिक प्रदर्शनी बन गई है। नवी मुंबई के वाशी में आयोजित महाटेक को उद्योग से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह प्रदर्शनी विनिर्माण क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देगी। यह नवी मुंबई की सबसे बड़ी प्रदर्शनी में से एक है। नवी मुंबई योजनाबद्ध, सुव्यवस्थित और आधुनिक शहरों में से है। गौरी मराठे ने कहा, कि ''नवी मुंबई में मजबूत बुनियादी ढांचा है और यह राज्य और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। महाटेक में भाग लेने वाले हमारे अधिकांश पेशेवर महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से हैं, इसलिए हमने वाशी को चुना क्योंकि यह मुंबई-पुणे राजमार्ग पर है और नवी मुंबई और मुंबई के विभिन्न हिस्सों से आसानी से जुड़ा हुआ है। यह महाराष्ट्र के कई प्रतिभागियों और आगंतुकों के लिए भी सुविधाजनक है।

त्योहारों के दौरान व्हाइट कॉलर नौकरियों में 6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि

मुंबई। भारत में व्हाइट-कॉलर नौकरियों का प्रमुख संकेतक (इंडिकेटर), नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स, ने नवंबर में मामूली बढ़त दिखाई है। यह इंडेक्स नवंबर में 2430 अंक पर पहुंचा, जिसमें पिछले साल की तुलना में 2% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2023 और 2024 के त्योहारों की तारीखों में बड़े बदलाव के कारण, अक्टूबर और नवंबर की संयुक्त फेस्टिव विंडो को देखने पर नौकरी बाजार की एक मजबूत तस्वीर सामने आती है। इस अवधि में सालाना आधार पर 6% की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि तेल और गैस (+16%), फार्मा/बायोटेक (+7%), एफएमसीजी (+7%), और रियल एस्टेट (+10%) जैसे प्रमुख गैर-आईटी क्षेत्रों में सकारात्मक प्रदर्शन की वजह से हुई है। इसके अलावा, एआई-एमएल (+30%) और जीसीसी (+11%) जैसे नए और उभरते क्षेत्रों में भी तेजी बनी हुई है। वहीं, आईटी क्षेत्र ने पिछले साल के मुकाबले स्थिर ग्रोथ दर्ज की है। नवंबर में, तेल और गैस (+14%), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (+20%), एफएमसीजी (+6%), और जीसीसी (+4%) जैसे क्षेत्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जो इन डोमेन में लगातार बनी हुई तेजी को दर्शाता है। वहीं, कुछ अन्य क्षेत्रों में भर्ती गतिविधियों में त्योहारी सीजन के दौरान अपेक्षित रूप से थोड़ी सुस्ती देखने को मिली। जहां आईटी सेक्टर लंबे समय से नई नौकरियों के लिए एक प्रमुख क्षेत्र रहा है, वहीं अब आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइनिंग (+29%), रसायन, पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक और रबर (+18%), फेसिलिटी मैनेजमेंट (+27%), केपीओ/रिसर्च/एनालिटिक्स (+28%), स्टील (+37%), और वेलनेस, फिटनेस, स्पोर्ट्स और ब्यूटी (+32%) जैसे क्षेत्रों में नौकरियों में सालाना आधार पर अच्छी बढ़ोतरी हो रही है। यह दशार्ता है कि नए डोमेन तेजी से नौकरियों के लिए उभरते हुए विकल्प बन रहे हैं।

भिवंडी के रेड लाइट एरिया में अनैतिक मानवीय तस्करी प्रबंधन विभाग की छापेमारी

भिवंडी। ठाणे पुलिस अनैतिक मानवीय तस्करी प्रतिबंधक विभाग व्दारा भिवंडी मनपा आयुक्तालय मार्ग पर स्थित हनुमान टेकड़ी के रेड लाइट एरिया में बड़ी कार्रवाई करके ६ बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सभी महिलाएं भारत में बिना किसी अनुमती अथवा प्रमाण पत्र की अवैध रूप से रह रही थी। ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी की अगुवाई में पुलिस टीम ने यह छापा मारा। दोपहर के समय की गई इस कार्रवाई में कई कमरों की तलाशी ली गई। इस दौरान गिरफ्तार महिलाओं के पास से भारतीय नागरिकता का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। गहन जांच में यह स्पष्ट हुआ कि सभी महिलाएं बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आई थीं। पुलिस ने सभी महिलाओं को हिरासत में लेकर भिवंडी शहर पुलिस थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। अब ये महिलाएं पुलिस की निगरानी में हैं, और आगे की जांच जारी है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पुलिस सिर्फ अवैध रूप से रह रही महिलाओं पर ही नहीं, बल्कि उन्हें पनाह देने और देह व्यापार में धकेलने वाले दलालों पर भी सख्त कार्रवाई करे। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार के बीच भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर आवाजें तेज हो रही हैं। भिवंडी में पुलिस की यह कार्रवाई लंबे समय बाद हुई है और इसे नागरिकों के बीच सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

अमेजन ने संभव के पांचवें वार्षिक सम्मलेन के मौके पर विकसित भारत के प्रति जाहिर की अपनी प्रतिबद्धता

मुंबई/पटना। अमेजन ने सालाना आयोजित होने वाले अपने संभव समिट के पांचवें संस्करण में विकसित भारत के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का विस्तार करने वाली कई पहलों की घोषणा की है। संभव समिट, अमेजन के भारत के छोटे व्यवसायों का जश्न मनाने, उनका समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने से जुड़े प्रयास का अंग है, जिसका उद्देश्य है, भारत और दुनिया भर में उन व्यवसायों के विकास में तेजी लाना। अमेजन ने इस प्रयास के तहत, भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की सरकार की प्रमुख प्राथमिकता को गति देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं। अमेजन ने अपने संभव वेंचर फंड से 120 मिलियन डॉलर ऐसे स्टार्टअप में निवेश करने के लिए निर्धारित किए हैं जो भारत में उपभोक्ता वस्तुओं के विनिर्माण को डिजिटल बनाएंगे और घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करेंगे, जिससे हजारों की तादाद में रोजगार पैदा होंगे। अमेजन अपनी निर्यात प्रतिबद्धता को चार गुना बढ़ा रही है और 2030 तक भारत से कुल 80 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात संभव बनाने की योजना बना रही है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारतीय एमएसएमई, विनिमार्ताओं और डी2सी स्टार्टअप के लिए अमेजन के ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम के जरिये करने के साथ-साथ अमेजन के ग्लोबल मार्केटप्लेस में बेचे जाने वाले मेड-इन-इंडिया उत्पादों की सोर्सिंग के संयोजन से प्रेरित होगी। अमेजन विभिन्न क्षेत्रों से निर्यात करने में मदद करना जारी रखेगी, जिसमें घर एवं रसोई से जुड़े उत्पाद, परिधान एवं वस्त्र, खिलौने, स्वास्थ्य एवं न्यूट्रिशन सप्लीमेंट, आयुर्वेदिक उत्पाद आदि शामिल हैं।

श्री प्रकाश शुक्ला को मुंबई में 14वें वन इंडिया अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। श्री प्रकाश शुक्ला को 9 दिसंबर, 2024 को मुंबई के मास्टर दीनानाथ मंगेशकर ऑडिटोरियम में 14वें वन इंडिया अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार श्रीमती माधवी लता कोम्पेला, एक सामाजिक कार्यकर्ता और हैदराबाद (तेलंगाना) की भाजपा नेता द्वारा दिया गया ।उन्हें यह पुरस्कार समाज के प्रति उनके उत्कृष्ट कार्यों और योगदान के लिए मिला। श्रीप्रकाश शुक्ला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और जौनपुर जिले के सुजानगंज ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए, श्रीप्रकाश शुक्ला ने कहा कि"मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए मेरे नाम पर विचार करने के लिए आयोजक का आभारी हूं। मैं जरूरतमंद लोगों की मदद और समर्थन करने की प्रतिज्ञा करता हूं, भले ही समाज के प्रति मेरे दायित्वों का विस्तार हुआ हो। बता दें कि वन इंडिया अवार्ड की परिकल्पना 'माई होम इंडिया' के संस्थापक सुनील देवधर ने की है। सामाजिक कार्यकर्ता, तेलंगाना की भाजपा नेता और हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर उत्कृष्ट वक्ता माधवी लता पुरस्कार समारोह की मुख्य अतिथि थीं। उनके अलावा डॉ. विद्यानिस्ट मारक, गारो जनजाति के पारंपरिक हर्बल चिकित्सा के डॉक्टर और मेघालय के सामाजिक कार्यकर्ता; प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता मनोज जोशी; और डॉ. प्रसिद्ध मनोचिकित्सक और माई होम इंडिया के अध्यक्ष हरीश शेट्टी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।प्रत्येक कॉर्पोरेट और सामाजिक क्षेत्र के विशिष्ट वर्ग ने पुरस्कार समारोह में भाग लिया। ऑडिटोरियम खचाखच भरा हुआ था और माधवी लता और मनोज जोशी के भाषणों ने पूरे शो के दौरान लोगों की दिलचस्पी बनाए रखी।

माटुंगा में हिंदुत्ववादी लोगों ने बंगलादेश के खिलाफ प्रदर्शन किया

संजय मिश्रा

मुंबई। (उत्तरशक्ति)। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार पर माटुंगा में हिंदुत्ववादी के लोगों ने प्रदर्शन किया। बता दे की काफी दिनों से बांग्लादेश में हिंदू पर अत्याचार किया जा रहा है। इनको मारा पीटा जा रहा है और बहन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है । जिसकों लेकर प्रदर्शन हिंदुत्व के लोग भारत में कर रहे हैं। आज माटुंगा में ऐसे ही देखने को मिला। जिसमें भारी संख्या में लोग एकत्रित होकर बांग्लादेश को सबक सिखाने के लिए सकल हिंदू समाज आरएसएस के लोगों ने स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अनिल पटेल, जगदीश पटेल, कमलेश पटेल, सतीश नायक, भारत चौरसिया आदि हिंदू सकल समाज ने हिंदुओं के न्याय के लिए यात्रा निकाली।

चेंबूर में बीआरएसपी का राज्यव्यापी ईवीएम हटाओ आंदोलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी (बसपा) ने चुनाव आयोग की निष्क्रियता, वोटों की चोरी, ईवीएम में हेरफेर, काले धन की बाढ़ के खिलाफ पूरे राज्य में गत दिनों जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया।

मुंबई इकाई की ओर से, मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष दीपक चौगुले के नेतृत्व में, चेंबूर स्टेशन पूर्व में आंदोलन किया गया । इस अवसर पर एडवोकेट दिनेश राजभर (राष्ट्रीय महासचिव), वरिष्ठ नेता बालासाहेब अडांगले वरिष्ठ नेता राजाराम आढ़ाव, सतेश मस्के (चेंबूर विधानसभा अध्यक्ष), महिला अघाड़ी वत्सला हिरे, जयश्री भोसले, प्रशांत आढ़ाव, शरद पवार, अभिजीत कांबले, अमर भंडारे , सामाजिक कार्यकर्ता राजदत्त सुर्वे अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

मुलुंड में रोबोटिक पित्ताशय की सर्जरी रही सफल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कीर्ति हजारी (52) पांच महीने से गंभीर पेट दर्द और उल्टी से पीड़ित थे। फोर्टिस अस्पताल, मुलुंड के डॉक्टरों ने उनकी जांच करने के बाद बताया कि उन्हें पीलिया के साथ पित्ताशय की पथरी की जटिल बीमारी है और पित्ताशय को हटाने की आवश्यकता है। पित्ताशय हटाने की सर्जरी को नियमित माना जाता है, लेकिन कीर्ति के लिए चीजें जटिल थीं क्योंकि उन्हें उच्च रक्तचाप और इस्केमिक हृदय रोग भी था। फोर्टिस अस्पताल, मुलुंड के सलाहकार गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, लेप्रोस्कोपिक और रोबोटिक सर्जन डॉ। जिग्नेश गांधी और सलाहकार गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डॉ. सूर्य प्रकाश भंडारी के मार्गदर्शन में एक बहु-विषयक टीम का गठन किया गया, जिसने पित्ताशय को हटाने के लिए एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड

कोलेजनियोपैंक्रेटोग्राफी (ईआरसीपी) के साथ रोबोटिक कोलेसिस्टेक्टोमी की। इस सर्जरी में, जो शरीर में एक छोटे से चीरे के माध्यम से की जाती है, दो प्रक्रियाएं, रोबोटिक सर्जरी (अंगों को हटाने के लिए की जाती है) और ईआरसीपी, जो पित्त नली में पथरी के निदान और उपचार के लिए की जाती है, एक साथ की जाती है। पित्त नली नलिकाओं की एक प्रणाली है जो पित्त को यकृत और पित्ताशय से छोटी आंत तक ले जाती है। इस प्रक्रिया के बारे में बोलते हुए फोर्टिस हॉस्पिटल, मुलुंड के कंसल्टेंट गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, लेप्रोस्कोपिक और रोबोटिक सर्जन डॉ. जिग्नेश गांधी ने कहा, हमने कीर्ति की सर्जरी के लिए सामान्य एनेस्थीसिया से शुरूआत की, लेकिन इसके तुरंत बाद उसे वेंट्रिकुलर टैचीकार्डिया (तीव्र दिल की धड़कन) हो गई और हृदय की लय को बहाल करने के लिए झटके की जरूरत पड़ी। कोलेसिस्टेक्टोमी और ईआरसीपी की गई।

इसके बाद रोबोटिक-सहायता वाली सर्जरी की गई जो लगभग चली 35 मिनट इस सर्जरी ने प्रदर्शित किया कि उच्च जोखिम वाले रोगियों में भी रोबोटिक सर्जरी सुरक्षित रूप से की जा सकती है और ऐसी सर्जरी के चिकित्सा साहित्य में बताए गए परिणामों की तुलना में बेहतर परिणाम हो सकते हैं। इस उदाहरण से पता चला कि रोबोटिक सर्जरी सुरक्षित और कुशलतापूर्वक की जा सकती है। यही कारण है कि हम सर्जरी के 48 घंटों के भीतर कीर्ति को घर भेजने में सक्षम हुए,'' डॉ. जिग्नेश गांधी ने कहा। एक मरीज के रूप में अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, कीर्ति, एक गृहिणी, कहती है, ''अब मैं पूरी तरह से ठीक हो गई हूं और अपनी सामान्य गतिविधियां करना शुरू कर दिया हूं।

एन वार्ड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विवेक विद्यालय की शानदार सफलता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हाल ही में आयोजित 52वीं एन वार्ड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विवेक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल की। सतत भविष्य के लिए प्रदर्शनी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विषय था। इस प्रदर्शनी में विवेक विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने विज्ञान प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये। दिव्यांग छात्रों के एक बड़े समूह में छात्र प्रणीत मोरे और संग्राम कांबले ने सोलर रेलवे नाम से एक प्रोजेक्ट बनाया। उक्त प्रोजेक्ट को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बड़े समूह में, छात्र श्रीजा जवरथ और अंकिता कांबले ने स्मार्ट इलेक्ट्रिकल पोल नामक एक प्रोजेक्ट बनाया। उक्त परियोजना को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। छोटे समूह में छात्रा श्रिया तोडनकर और सोनल आंबेकर ने जल शुद्धिकरण प्रोजेक्ट बनाया। उक्त परियोजना को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्रा श्रिया तोडणकर एवं राजेश मोरे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। राजेश मोर भाषण एवं अभिभाषण प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहे। साथ ही विवेक

विद्यालय के प्राचार्य विवेक थोरात, शिक्षा निरीक्षक डॉ. मुस्ताक शेख द्वारा लिखित नई शिक्षा नीति के कारण शिक्षा का अधिकार अधिनियम के सशक्तिकरण के विश्लेषण पर कार्रवाई अनुसंधान रिपोर्ट का विमोचन डॉक्टर मुश्ताक शेख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सयाजी मेहेत्रे ने किया। स्कूल के प्रिंसिपल विवेक थोरात ने सभी सफल छात्रों के साथ-साथ विज्ञान शिक्षकों सविता कोरगांवकर, पुरूषोत्तम पाटिल और रवींद्र जाधव को बधाई दी। विवेक विद्यालय की इस बड़ी सफलता पर इलाके के गणमान्य नागरिकों एवं अभिभावकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की हैं।

ट्रैफिक समस्या को लेकर सांसद सुरेश म्हात्रे ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात

मुंबई। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में बढ़ती यातायात की समस्या वे हद गंभीर बनती जा रही है। इस समस्या को लेकर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करने और भिवंडी वासियों को इस समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

गौरतलब हो कि भिवंडी में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के गोदाम हैं, जिसके चलते भारी वाहनों की आवाजाही बहुत अधिक होती है। इसका परिणाम लगातार ट्रैफिक जाम के रूप में सामने आता है। इस समस्या को हल करने के लिए और क्षेत्र के अधूरे सड़क निर्माण कार्यों को पूरा करने

के संबंध में सांसद बाल्या मामा ने केंद्रीय मंत्री गडकरी का ध्यान आकर्षित किया।

इस दौरान उन्होंने अपनी मांगों का एक लिखित ज्ञापन भी गडकरी को सौंपा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आश्वासन दिया कि भिवंडी की ट्रैफिक समस्या को जल्द सुलझाने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, जरूरी सड़कों के निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर सांसद सुप्रिया ताई सुले, सांसद अमोल कोल्हे, सांसद धैर्यशील मोहिते पाटील, सांसद बजरंग सोनवणे और सांसद भास्कर भगरे भी उपस्थित थे। भिवंडी के नागरिक इस पहल से उम्मीद कर रहे हैं कि ट्रैफिक जाम और अधूरी सड़क परियोजनाओं की समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

नवीन गवली के माध्यम से बदहाल सड़कों की मरम्मत का काम शुरू

ओमकार परिसर में आरसीसी सड़क नागरिकों के लिए सुरु

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महापालिका वार्ड क्रमांक 43 गांवदेवी मेट्रो मॉल परिसर में पूर्व नगरसेवक व शिवसेना के उपशहर प्रमुख नवीन गवली उपजिलाप्रमुख मल्लेश सेट्ठी के माध्यम से वार्ड में विकासकार्यों की झड़ी लगी हुई है।

आरसीसी सड़क और गटर, नाली, बदहाल रास्तों की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। मंगलवार को नेतिवली स्थित ओमकार नगर परिसर में बदहाल सड़क की मरम्मत का काम शुरू किया गया है। ओमकार नगर में

खराब रास्ते के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोगों की परेशानी को देखते हुए पूर्व नगरसेवक नवीन गवली के माध्यम से एवं शाखा प्रमुख राजू उजगरे,संदीप माने,सोनया म्हात्रे, हेमा भोसले, निलेश कुंभार ,अनु डोंगरे ,राहुल तोंडे की देखरेख में रास्ते पर डांबरी करण किया गया जिसके चलते ओमकार नगर परिसर के रास्ते अब चकाचक हो गए है।

भिवंडी के वल पाढ़ा में लगी भीषण आग, तीन गोदाम जलकर खाक

भिवंडी। भिवंडी वलपाढा. इलाके में स्थित ग्लोबल कॉम्प्लेक्स की एक भंगार की गोदामों और एक इंटीरियर सॉल्यूशन कंपनी में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का माल जलकर खाक हो गया। आग की इस घटना में शुभम इंटिरियर बात सॉल्यूशन कंपनी और तीन गोदाम पूरी तरह जलकर नस्ट हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात करीब १२ बजे के आस-पास हुआ। पहले एक गोदाम में आग लगी, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और पास के अन्य गोदामों और इंटीरियर कंपनी को भी अपनी चपेट में ले लिया।आग इतनी तेज थी कि आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी महानगरपालिका की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान आसपास के घरों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अग्निशमन अधिकारी राजेश पवार ने बताया कि फिलहाल घटनास्थल पर कूलिंग का काम जारी है। इस आगजनी में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। गौरतलब है कि हाल ही में भिवंडी के वडपा खिंड कुकसे गांव में भी प्लास्टिक और कॉस्मेटिक गोदाम में भीषण आग लगने की घटना हुई थी। इन घटनाओं से स्थानीय लोग डरे हुए हैं। और प्रशासन से आग की इन घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस ने आगजनी की घटना की जांच शुरू कर दी है। भिवंडी में लगातार हो रही आग की इन घटनाओं के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। भिवंडी के वडपा खिंड कुकसे गांव में भी प्लास्टिक और कॉस्मेटिक गोदाम में भीषण आग लगने की घटना हुई थी। इन घटनाओं से स्थानीय लोग डरे हुए हैं और प्रशासन से आग की इन घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस ने आगजनी की घटना की जांच शुरू कर दी है। मुंबई में लगातार हो रही आग की इन घटनाओं के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

केन्द्रीय विद्यालय के लिये पीएम मोदी को धन्यवादः कृपाशंकर सिंह

तीन जोड़ी ट्रेन जौनपुर को सौंपने के लिये रेलमंत्री को भी दिया धन्यवाद

◆ **पूर्वांचल विश्वविद्यालय जल्द बनेगा केंद्रीय विश्वविद्यालय**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोकसभा जौनपुर के प्रत्याशी व वरिष्ठ भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह के अथक प्रयास से तीन जोड़ी अर्थात छह ट्रेने जो औडिहार से सीधे वाराणसी होकर अपने गंतव्य पर प्रस्थान करती थीं उनका रुट व ठहराव जौनपुर में भी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मैंने अपने चुनावी घोषणा पत्र में जो वादे किए थे उनको पूरा करने के लिये सभी सम्भव प्रयास कर रहा हूँ। जनपद जौनपुर को एक केंद्रीय विद्यालय देने के लिये प्रधानमंत्री मोदी एवम केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त जल्द ही पूर्वांचल विश्वविद्यालय को बीएचयू के तर्ज पर विकसित करते हुए केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के लिये मैं प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा मेरे चुनाव में

सफलता या असफलता जौनपुर के विकास के राह में रोड़ा नही बनेगा। कृपाशंकर ने बताया कि रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव जी ने उनके प्रस्ताव पर तीन जोड़ी ट्रेनों को औड़िहार से जौनपुर होते हुये वाराणसी से गंतव्य को प्रस्थान हेतु आदेशित कर दिया है। जौनपुर की जनता के लिये मुंबई व कोलकता के आवगमन के किये यात्रा को सुगम बनाने के लिये रेलमंत्री को बहुत बहुत आभार व धन्यवाद है। उन्होंने बताया कि मुंबई के लिये गाड़ी संख्या 11081/ लोकमान्य तिलक गोरखपुर, गाड़ी संख्या 11082/ गोरखपुर से लोकमान्य तिलक, हावड़ा के लिए गाड़ी संख्या 22323/ शब्दभेदी एक्सप्रेस कोलकता से गाजीपुर, गाड़ी संख्या 22324 शब्दभेदी एक्सप्रेस गाजीपुर से कोलकता, गाड़ी संख्या 15022 शालीमार एक्सप्रेस गोरखपुर से शालीमार, गाड़ी संख्या 15021 शालीमार एक्सप्रेस शालीमार से गोरखपुर के लिए, का इसी सप्ताह से ठहराव शुरू हो जाएगा।

डीएम ने किया प्राथमिक विद्यालय बिशुनपुर पुलगुजर का औचक निरीक्षण, बच्चों से ली जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा प्राथमिक विद्यालय बिशुनपुर पुलगुजर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने मध्यान्ह भोजन के सम्बन्ध में बच्चों से जानकारी ली। उन्होने विभिन्न कक्षो में जाकर छात्रों से संवाद स्थापित किया। विद्यालय में 67 नामांकन के सापेक्ष 57 बच्चें उपस्थित मिले। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट भी वितरित किया।

इस दौरान बच्चों से संवाद के दौरान जिलाधिकारी से कक्षा 05 के छात्र सक्षम यादव ने बड़े होकर जिलाधिकारी बनने की इच्छा जाहिर की, जिस पर उन्होंने सलाह दिया कि स्वस्थ रहकर, पूरे मनोयोग के साथ पढाई करें।अवश्य ही एक दिन जिलाधिकारी बन जाएगे जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अध्यापक समय से विद्यालय पहुंचकर बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा दें। विद्यालय में नियमित साफ सफाई होनी चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक रामेन्द्र प्रसाद यादव, सहायक अध्यापक श्यामलाल यादव, शिक्षामित्र पूनम और गीता देवी सहित अन्य उपस्थित रहे।

अब तक वाराणसी पुलिस ने 172 धार्मिक स्थलों से उतारे लाउडस्पीकर, कार्यक्रमों से 30 डीजे जब्त किए

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में कमिश्नरेट पुलिस ने शहर से लेकर देहात तक अवैध लाउडस्पीकरों के खिलाफ अभियान चलाया। काशी जोन, वरुणा जोन और गोमती जोन के थानों में पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। पुलिस की टीमों ने 48 घंटे में 172 धार्मिक स्थलों से अनाधिकृति लाउडस्पीकर उतरवाए।

इसके अलावा कार्यक्रमों को बंद कराकर 30 अनाधिकृत डीजे भी जब्त कर लिए। पुलिस की कार्रवाई के बाद कई इलाकों में हड़कंप की स्थिति है। कई लोग खुद ही अपने डीजे हटा रहे हैं। सीएम के निर्देश पर पुलिस सक्रिय सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद कमिश्नरेट पुलिस ने लाउडस्पीकर के खिलाफ अभियान चलाया है। रविवार और सोमवार को 22 थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। शहर से लेकर देहात तक सभी थानों में पुलिस टीम ने लाउडस्पीकरों की जांच की। इसके बाद अवैध तरीके से लगाए गए लाउडस्पीकरों पर कार्रवाई की। काशी जोन, वरुणा जोन और गोमती जोन में पिछले 48 घंटों में पुलिस ने 172 धार्मिक स्थलों से अनाधिकृति लाउडस्पीकर उतरवाए। इन स्थलों पर इबादत के लिए परिसर के बाहर तक बड़े-बड़े लाउडस्पीकर टांगे गए थे, जिसकी आवाज का कोई मानक तय नहीं था। इसके अलावा कार्रवाई के दौरान कई लाउडस्पीकरों की आवाज धीमी कराई गई है। वहीं, पुलिस टीम ने विभिन्न आयोजनों में गीत संगीत के लिए लगाए गए 30 डीजे भी जब्त कर लिए। इन आयोजनों पर शोर शराबे को बंद करके तेज आवाज में बजाए जा रहे डीजे पर विधिक कार्रवाई की बात भी कही।

पुलिस की कार्रवाई के बाद कई लोगों ने अपने स्थलों से खुद ही लाउडस्पीकर उतार लिए हैं। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि कमिश्नरेट वाराणसी में अनाधिकृत लाउडस्पीकर और डीजे के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान में 9 दिसंबर तक 172 अनाधिकृत लाउडस्पीकर उतारे गए हैं। वहीं 24 घंटे के अंदर 30 डीजे जब्त किए गए। अभियान चलता रहेगा और पुलिस टीमों को कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान का समापन

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखण्ड शाहगंज सोंधी के सभागार में मंगलवार को हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। तीन सप्ताह तक चले इस अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रधानों और लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव ने स्वच्छता और शौचालय निर्माण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने सभी सम्मानित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि उनका प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विजय कुमार गौड़ ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किया। अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों और लाभार्थियों को एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव और एडीओ पंचायत उमेशचंद्र द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रधानों में मवई प्रधान नीरा यादव, परासीन प्रधान रेखा सिंह और लतीफपुर प्रधान सीतापत्ती शामिल हैं। वहीं लाभार्थियों में अजीम सिद्दीकी, यशवंत कुमार गौतम, केशलाल, चंद्रसेन और उमाकांत यादव को सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विजय कुमार गौड़, प्रेम यादव, रविन्द्र कुमार, और रामस्वरूप सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति-पत्र देकर किया गया सम्मानित

निर्धारित लक्षित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य को सम्पादित कराया जायः जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा जनपद जौनपुर में गोमती नदी पर प्यारेपुर से अलीगंज बाजार के निकट कलीचाबाद मार्ग पर सेतु, पहुँचमार्ग, अतिरिक्त पहुँचमार्ग व सुरक्षात्मक कार्य के निर्माण हेतु कार्यस्थल का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त सेतु की लम्बाई 211.88 मी0 कुल लागत रू0 लगभग 2993.31 लाख पहुँच मार्ग, अतिरिक्त पहुँच मार्ग सहित है।जिलाधिकारी द्वारा उ0प्र0 राज्य सेतु निगम लि0, सेतु निर्माण इकाई, जौनपुर के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्य को श्रमिकों की संख्या को बढ़ाते हुए तीव्रगति से निर्धारित लक्षित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य को सम्पादित कराया जाय तथा स्थानीय गाँवों के लोगों की जल निकासी की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य कराया जाय।इस अवसर पर डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर जे.पी गुप्ता, ए.ई लाल साहब सहित अन्य सेतु निगम के कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पत्नी गई मायके तो पति ने खाया जहर, हुई मौत

चंदवक,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बरइछ गांव में पारिवारिक विवाद में युवक ने विषाक्त पदार्थ खा लिया जिससे उसकी मौके पर ही तड़प तड़प कर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक

कार्रवाई कर रही है। रिपोर्टर रियाजुल ने बताया कि फूलचंद्र राम के 43 वर्षीय पुत्र रामधनी का पत्नी से बात-बात पर विवाद होता था जिससे नाराज होकर वह मायके चली गई थी। पत्नी के मायके जाने से वह गुमसुम रहता था। रविवार देर शाम वह विषाक्त पदार्थ खा लिया। खाना देने गई बेटी ने तबियत बिगड़ती देख परिजनों के सहयोग से उसे सीएचसी डोभी ले गई जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की है। मृतक की 4 पुत्रियां आंचल, अंजलि, गुड़िया व खुशी तथा एक पुत्र 4 वर्षीय शनि है।घर में मातम पसरा हुआ है। पत्नी भी आ गई है।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराने से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सलोनी महिमापुर सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की उपचार के दौरान आज मौत हो गई। रिपोर्टर रियाजुल के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मीरपुर मोहल्ला निवासी राजकुमार सोनकर उम्र 22 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राजेंद्र कुमार सोनकर रविवार सुबह 8 बजे अपने अपाचे मोटरसाइकिल से गौराबादशाहपुर की तरफ जा रहा था। जब वह सलोनी महिमापुर के पास से गुजर रहा था कि अचानक उसकी बाइक असंतुलित होकर एक पेड़ से जाकर टकरा गई। काफी देर तक घायल अवस्था में पड़े रहे घायल बाइक सवार राजकुमार सोनकर को स्थानीय लोगों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार को शाम को लगभग 4 बजे अचानक उसकी हालत बिगड़ने लगी तब डॉक्टर ने बेहतर उपचार के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। ट्रामा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही इसकी मौत हो गई।पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

युवक लापता, पुलिस छानबीन में जुटी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का युवक लापता हो गया परिजनों द्वारा पुलिस छान बीन में जुटी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सबरहद निवासी असलम अहमद का 22 वर्षीय पुत्र अब्दुल रहमान किसी बात से नाराज हो कर चार दिसंबर को घर से कही चला गया। काफी खोज बीन के बाद जब कोई पता नहीं चल सका तो परिजनों ने कोतवाली पुलिस को लिखित सूचना दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर कोतवाली पुलिस ने बताया कि युवक के लापता होने की सूचना मिली है। पुलिस मामले में छान बीन कर रही है।

पैसे के लेन-देन के विवाद में सगे भाई ने बहन को बुरी तरह पीटा, वीडियो वायरल

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पैसा वह चीज है जो खून के रिश्ते में भी दीवार खड़ा कर देती है और एक-दूसरे के खून के प्यासे बना देती है। कुछ ऐसा ही मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में देखने को मिला। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कौड़ियां निवासी रीता पत्नी सोबित लाल ने सोमवार को कोतवाली पुलिस को एक प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि 2021 में अपने सगे भाई साहदुर पुत्र हरखू निवासी पूरे आजम पटखौली थाना शाहगंज को एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल एवं टीवी गवाहों के समक्ष इस आधार पर दिया था कि वह छ माह बाद मेरी पुत्री की शादी में नयी मोटर साइकिल और टीवी देने का लिखित समझौता हुआ था। छ माह बीतने के बाद रीता ने अपने सगे भाई से जब कहा तो उसका भाई गाली गलौज देते हुए बुरी तरह मारा पीटा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पीड़िता ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी है। पुलिस जाँच पड़ताल में जुटी है।

शादी समारोह में आपस में भिड़े घराती

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आदमपुर थानान्तर्गत सोमवार की रात पंचायती कुआं स्थिति एक लान में लड़की पक्ष के रिश्तेदार पुरानी रंजिश को लेकर आपस में भिड़े। जानकारों ने बताया अशोक पाण्डेय 55 अपने पुत्र बाबू पाण्डेय 24 के साथ लान के गेट पर खड़ा हो कर रिश्तेदार के साथ बातचीत कर रहे थे। अचानक मुन्नूलाल पाण्डेय, सन्तोष पाण्डेय, मनोज पाण्डेय, धीरज पाण्डेय, सोनू पाण्डेय एक जुट होकर गाली गलौज देते हुऐ मारने पीटने लगे बीच बचाव करने पहुंची। महिला मंगला देवी को भी लोगो ने नहीं बक्शा उनको भी मारपीट कर घायल कर दिया। किसी तरह शादी समारोह में जूटे लोगों ने बीच बचाव कर लोगों को शांत कराया क्षेत्रीय लोगों ने मारपीट होने का सूचना पुलिस को दिया सूचना मिलते लाट भैरव चौकी प्रभारी पार्थ तिवारी के साथ एस आई उमाशंकर पहुंच कर मार पीट कर रहे कुछ लोगों को पकड़ कर थाने लाये। भुक्तभोगी ने थाने पहुंच कर नाम दर्ज लिखित तहरीर दिया।

थाना कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अभियान के तहत व अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण एवं दिशाझनिर्देशन में थाना कोतवाली जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-389/2024 धारा 109/61(2) बी.एन.एस. से संबंधित फरार अपराधी पंकज यादव महेन्द्र यादव नि0 बनपुरवा (देवापार) थाना मडियाहूँ जनपद जौनपुर हालपता शिवपुरम कालोनी थाना लाइन बाजार जौनपुर जो दिनांक 09.12.2024 को शाम ग्राम (बनपुरवा) देवापारसे मुखबीर खास की सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायालय को भेजा जा रहा है।

तिरंगे में लपेट कर घर पहुंचा जवान का पार्थिव शरीर, सभी संप्रदाय के लोगों ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के शहाबुद्दीनपुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई जब बंगाल के सिलीगुड़ी में एक सड़क दुर्घटना में सेना के हवलदार राजेश यादव (35 वर्ष) का निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटा हुआ गांव पहुंचा।

जहां हजारों की संख्या में लोग हाथों में तिरंगा लेकर उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। मां भारती के लाल को देखने के लिए देखते ही देखते लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बता दे कि उक्त गांव में उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष मंच तैयार किया गया था।जहां परिवार के सदस्य, ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत सैनिक को पुष्पांजलि अर्पित की। राजेश यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए हर समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं। रिपोर्टर रियाजुल के मुताबिक 2010 में सेना में भर्ती हुए थे।राजेश यादव शहाबुद्दीनपुर के ग्राम प्रधान धन्नी लाल यादव के पुत्र राजेश यादव पांच संतानों में तीसरे स्थान पर थे। राजेश यादव वर्ष 2010 में सेना में भर्ती हुए थे। वह एक उत्कृष्ट फुटबॉल खिलाड़ी थे। सेना की फुटबॉल टीम में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके थे। उनकी खेल-कला और कर्तव्यनिष्ठा ने उन्हें सहकर्मियों और गांववासियों के बीच खास पहचान दिलाई। मृतक जवान राजेश यादव अपने पीछे पत्नी प्रियंका यादव (33 वर्ष) और दो पुत्रों, रियांश (5 वर्ष) व अयांश (3 वर्ष) को छोड़ गए। परिवार के करीबी सदस्यों ने बताया कि राजेश 13 दिसंबर को अपनी चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए गांव आने वाले थे तभी एक सड़क हादसे का शिकार हो गए।

विश्व मानवाधिकार दिवस पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व मानवाधिकार दिवस, सारी दुनिया में मनाए जाने की परम्परा है। जिसका उद्देश्य मानवाधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करना होता है। इस अवसर पर हिंदुस्तान मानवाधिकार के जिला कैंप कार्यालय पर एक बैठक/गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता जौनपुर दीवानी न्यायालय के पूर्व ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अब्बास हुसैन अहसास ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए हिंदुस्तान मानवाधिकार संस्था के उत्तर प्रदेश प्रभारी/कार्यवाहक अध्यक्ष वकार हुसैन ने कहा 10 दिसंबर को दुनियां भर में मानवाधिकार दिवस मनाए जाते हैं। परन्तु क्या वास्तव में मानवाधिकारों का सम्मान किया जा रहा है।आप देख रहे हैं कि किस तरह से दुनिया भर में सत्ता के नाम पर आम नागरिकों का खून बहाया जा रहा है ।हर ताकत वाला कमजोर को मार रहा है जब कि दुनिया के लोग केवल तमाशा देख रहे हैं।हमारे देश में भ्रष्टाचार ही, आज मानवाधिकार उलंघन का सबसे बड़ा कारण है। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका इनमें से कोई भी, भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं मिलेगा। नौकर शाही से राजशाही तक, संत्री से मंत्री तक, चपरासी से अधिकारी तक, इस सामाजिक रोग से ग्रसित पाए जाते है।ग्राम विकास कार्यालय से, विकास भवन और सचिवालय तक, केवल भ्रष्टाचार का वर्चस्व देखने को मिलेगा। केवल थाना चौकी ही नहीं, जिला निबंधन कार्यालय, ट्रेजरी ऑफिस या कचहरी चले जाइए और अपनी आंखों से भ्रष्टाचार का नंगा नाच देख लीजिए।सबसे बुरा हाल तो चकबंदी दफ्तरों का होता है। जहां गरीब से गरीब किसान को भी अपनी भूमि को किसी नुकसान से बचाने के लिए चकबंदी कर्मियों को मुंह मांगा धन देने को विवश होना पड़ता है। दुख की बात यह है कि किसी नुकसान या उत्पीड़न के खौफ से कोई पीड़ित मुंह खोलने का भी साहस नहीं कर सकता है। फिर जब भ्रष्टाचार का लिंक टॉप टू बॉटम तक हो और हमाम में सब ही नंगे हों तो कौन किसकी शिकायत सुन सकता है। कार्यक्रम का संचालन हसनैन कमर दीपू ने किया। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व प्रबंधक एवं हिंदुस्तान मानवाधिकार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान कुमार, डॉ.सूबेदार यादव,,पूर्व प्रधानाचार, गवर्नमेंट कॉलेज, संस्था के जिला महासचिव डॉक्टर नौशाद अली मिंटू, शिवानंद यादव, प्रेस एवं कार्यालय प्रभारी नौशाद अली और हिंदुस्तान मानवाधिकार संस्था के विधि सलाहकार/ जिला वाराणसी अध्यक्ष एडवोकेट सकलैन हैदर और कई समाजसेवी एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर सुंदरलाल चिकित्सालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ सौंपा ज्ञापन, सपा ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार मामले को लेकर समाजवादी पार्टी अम्बेडकर वाहिनी के कार्यकताओं ने चिकित्सा विज्ञान विभाग के डायरेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सपा नेताओं का कहना है कि सर सुंदरलाल चिकित्सालय, जिसे एम्स का दर्जा प्राप्त है और जिसका उद्देश्य किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है, वहां नाक, कान और गला विभाग में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। इस ज्ञापन में विभाग में आर्थिक शोषण और चिकित्सा सेवाओं में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मुख्य मांगें- 1. ओपीडी में दलालों की सक्रियताः मरीजों से पैसे लेकर उनके पर्चे जल्दी लगवाने के लिए बाहरी व्यक्तियों और मेडिकल स्टोर्स से जुड़े दलाल ओपीडी के बाहर सक्रिय हैं। 2. बाहरी दवाओं की खरीद का दबावः मरीजों को चिकित्सालय के बजाय बाहरी मेडिकल स्टोर्स से दवा खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। 3. ऑपरेशन थिएटर में भ्रष्टाचारः कान के पर्दे के ऑपरेशन के लिए मरीजों को 7-8 हजार रुपये के महंगे पर्दे खरीदने पर मजबूर किया जाता है। यदि निर्धारित स्टोर से पर्दा नहीं लाया जाता, तो ऑपरेशन से इनकार कर दिया जाता है। वास्तविकता यह है कि ऑपरेशन के दौरान मरीज के कान के पिछले हिस्से से चमड़ा लेकर पर्दा तैयार किया जाता है।जबकि आर्टिफिशियल पर्दा वापस स्टोर भेजकर डॉक्टर कमीशन प्राप्त करते हैं। यह प्रकरण मरीजों के साथ आर्थिक शोषण और चिकित्सा सेवाओं में भ्रष्टाचार को उजागर करता है। बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष जितेंद्र यादव मलिक के नेतृत्व में यह ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई। ज्ञापन में शामिल पदाधिकारियों में जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव मलिक, महानगर अध्यक्ष अमन यादव, सतीश कुमार, नरेश यादव, अशोक राजभर व रविदास समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे। ज्ञापन में दोषियों पर सख्त कार्रवाई और मरीजों के साथ न्याय सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

केराकत पुलिस ने चोरी की 2 बाइक के साथ 3 चोरों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे।अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक केराकत अवनीश कुमार राय के नेतृत्व में थाना केराकत पुलिस द्वारा दिनांक-10.12.2024 को 02 चोरी की मोटर साइकिल वढ62इढ 0549 व मोटर साइकिल वढ65उफ8954 सहित मु0अ0सं0 446/24 धारा 379/411 आईपीसी थाना केराकत जौनपुर व मु0अ0सं0 395/23 धारा 411/413/414 आईपीसी थाना बड़ागांव वाराणसी से सम्बन्धित अभियुक्तगण 1- शुभम यादव पुत्र फौजदार यादव निवासी रेहारी थाना जलालपुर जनपद जौनपुर, 2- मिथिलेश मिश्रा पुत्र स्व0 चन्द्रभान मिश्रा निवासी थौर थाना जलालपुर जनपद जौनपुर, 3- महेश कुमार सरोज पुत्र रामफेर सरोज निवासी रेहारी थाना जलालपुर जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। जिनका चालान न्यायालय भेज दिया गया

खुटहन पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के प्रर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष खुटहन, दिब्य प्रकाश सिंह के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 महेन्द्र यादव, मय हमराह की सहायता से चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान मु0अ0स0 360/24 धारा 109/333/351(2) बीएनएस से सम्बन्धित एक वाछिंत अभियुक्त शिवम् यादव पुत्र यशवन्त यादव निवासी ग्राम पिलकिछा खोभरिया थाना खुटहन जनपद जौनपुर को दौलतपुर के पास सडक पर से आज दिनांक-10.12.2024 को नियमानुसार गिरफ्तार करते हुए हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये समक्ष न्यायालय भेजा गया।

ज्योति श्यामदसानी मर्डर केस में हाई कोर्ट ने पति समेत 5 लोगों की उम्र कैद की सजा को रखा बरकरार

डॉ.आबिद खान, लखनऊ (उत्तरशक्ति)। कानपुर के हाई प्रोफाइल ज्योति श्यामदसानी मर्डर केस में हाई कोर्ट ने मुख्य कातिल पति पीयूष सहित 5 लोगों की उम्र कैद की सजा को रखा बरकरार। पीयूष की प्रेमिका मनीषा मखीजा को इस केस से बरी करते हुए दी राहत, 27 जुलाई 2014 को ज्योति श्यामदसानी की हत्या हुई थी। इस मामले मे उसके पति मनीष, सोनू, रेनू, आशीष, अवधेश व मनीषा को उम्र कैद हुई थी। मनीषा को दोष मुक्त किया गया, साबित हुआ की महिला मित्र की चाह मे यह हत्या कराई गई। मगर महिला मित्र मनीषा की अपराध मे संलिप्तता नहीं मिली।

मोबाइल ऐप आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1% एजेंट्स को उसी दिन कमीशन प्राप्त हुआ

मुंबई।आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के सलाहकारों के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही (H1-FY2025) में उनकी उत्पादकता में 37% की वृद्धि की है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि, आईप्रू एज ऐप का उपयोग करने वाले 98.1% एजेंट्स को उसी दिन उनका कमिशन प्राप्त हुआ। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ऐसी पहली जीवन बीमा कंपनी है, जो चुनिंदा वितरकों को उसी दिन कमीशन का भुगतान करती है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक सलाहकारों का नेटवर्क है और कंपनी के लगभग 61% से अधिक टॉप सलाहकार अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिल रही है। यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए एक चलते-फिरते ऑफिस की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक कार्यों के बजाय नए व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज ऐप में रियल-टाइम केवाईसी प्रमाणीकरण और ओसीआर टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं हैं, जो ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती हैं। यह ऐप छोटे शहरों और गांवों में रहने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही(H1-FY2025) में, कंपनी ने अपने एजेंसी चैनल से रिटेल वेटेड रिसीव्ड प्रीमियम में साल-दर-साल 49% की वृद्धि दर्ज की है, जो ऐप द्वारा दी गई सुविधा को दर्शाती है। श्री शोबी सैम, चीफ ऑफ सेल्स, प्रोप्राइटरी चैनल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहाः हमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है।

सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फैस्टिवल का आयोजन

मुंबई। तमाम तरह के सांस्कृतिक अनुभवों को एक सूत्र में पिरोने वाले सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फैस्टिवल के नौवें एडिशन की शुरूआत पणजी, गोवा में 15 से 22 दिसंबर 2024 को होने जा रही है। सेरेन्डिपिटी आर्टस फैस्टिवल के संस्थापक सुनील कुमार मुंजाल के नेतृत्व में शुरू हुए इस आर्ट फैस्टिवल ने आज अपनी पहचान दक्षिण एशिया के सबसे बड़े फेस्टिवल्स के रूप में बना ली है। इस अनूठे प्लेटफार्म पर कई तरह के नए, अंतर्विषयी क्रियाकलापों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को अवसर प्रदान किया जा रहा है। सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के तरफ से आयोजित होने वाले इस फैस्टिवल का उद्देश्य आर्टस को बढ़ावा देना है। फैस्टिवल का उद्देश्य हमेशा से ही कलाकारों, क्यूरेटरों और दर्शकों को एक साथ लाना रहा है जहां रचनात्मकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक साझा उत्सव मनाया जा सके। इस वर्ष भी फैस्टिवल में तमाम जाने-माने क्यूरेटर्स अपनी विशेष कलाकृतियों के साथ उपस्थित हो रहे हैं और इसमें 200 से ज्यादा प्रोजेक्ट, 22 से ज्यादा जगहों पर विविध प्रकार के क्षेत्रों से जुड़ी कला-संगीत-नृत्य आदि प्रस्तुत करेंगेः इस फैस्टिवल के बारे में ज्यादा जानकारी और फ्री रजिस्ट्रेशन के लिए कृपया www.serendipityartsfestival.com पर रजिस्टर करें। सेरेन्डिपिटी आर्टस फैस्टिवल की ओर से ब्लैकस्ट्रेटब्लूज का प्रदर्शन किया जाएगा जिसमें मादक कर देने वाला संगीत, राक, सत्तर के दशक के साइडिलीया का संगम आधुनिक परिवेश में सुनने को मिलेगा। इसमें देश के मशहूर गिटारिस्ट वारेन मैंडोसा और आज के जाने माने गीतकारों के साथ ब्लैकस्ट्रेटब्लूज के साथ रंगारंग कार्यक्रम देखने को मिलेगा।

जन्मजात हार्ट ब्लॉक से पीड़ित बच्चों को विशेषज्ञों ने पेसमेकर सर्जरी के बाद दिया नया जीवन

मुंबई। चिकित्सा के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल करते हुए विशेषज्ञों ने मात्र 1.9 किलोग्राम वजन वाले समय से पहले जन्मे बच्चे को नया जीवन दिया, यह बच्चा एक दुर्लभ जन्मजात हृदय दोष, पूर्ण हृदय ब्लॉक के साथ हुआ, जिसे तत्काल इलाज की आवश्यकता थी। जब मां 24 सप्ताह के गर्भावस्था के दौरान थी तभी इस समस्या का पता चल गया था। बच्चे की इस बीमारी का संबंध माँ की ऑटोइम्यून बीमारी, सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एसएलई) से था, जिसने बच्चे के हृदय के पेसमेकिंग नोड्स को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया था। गर्भावस्था के दौरान ही बच्चों की हालत बिगड़ती गई, जिसके कारण प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रुजुल झावेरी और उनकी टीम को 35 सप्ताह में सीजेरियन सेक्शन के माध्यम से डिलीवरी करनी पड़ी। जन्म के समय, बच्चा कार्डियोजेनिक शॉक में था और उसे इनवेसिव वेंटिलेशन की आवश्यकता थी। नारायणा हेल्थ एस.आर.सी.सी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, मुंबई में पीडियाट्रिक्स क्रिटिकल केयर सर्विसेज में कंसलटेंट डॉ. मंजू कुमारी और उनकी टीम द्वारा एन.आई.सी.यू में गहन देखभाल में रखा। छठे दिन, सीनियर कंसलटेंट इन पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी, डॉ. प्रदीप कुमार कौशिक के नेतृत्व में एक टीम ने एक चुनौतीपूर्ण स्थायी पेसमेकर ट्रांसप्लांट किया। डॉ. कौशिक ने कहा कि, ह्लसमय से पहले जन्मे कम वजन वाले बच्चे का ऑपरेशन करना जितना महत्वपूर्ण था उतना ही जोखिम भरा भी था। परंतु समय से पहले यह करना आवश्यक भी था। यह पेसमेकर हार्ट के इलेक्ट्रिक फंक्शन को ठीक करने के साथ ब्लड सकुर्लेशन को भी बेहतर करता है।

राजन नाइक के जन्मदिवस से पूर्व लोगों ने किया रक्तदान

विरार। नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक राजन (अप्पा) नाइक बुधवार 11 दिसंबर को अपना जन्मदिन मनाएंगे. इस जन्मदिन पर भारतीय जनता युवा मोर्चा और राजन नायक मित्र मंडल की ओर से और साथिया ब्लड बैंक के सहयोग से 10 दिसंबर, मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया। नालासोपारा (पश्चिम) में एसटी डिपो रोड के पास गैलेक्सी ऑडिटोरियम में आयोजित 'रक्तदान शिविर' को सहज प्रतिक्रिया मिली। इस शिविर में बीजेपी कार्यकताओं के साथ आम नागरिकों ने भी हिस्सा लिया और बड़ी संख्या में रक्तदान किया। विधायक राजन नायक और भाजपा पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। आयोजक विनीत तिवारी एवं विधायक राजन नायक ने सभी रक्तदाताओं एवं साथी पदाधिकारियों को उनके मौलिक कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस शिविर में 181 में से 21 ऐसी प्यारी बहन के साथ; जिला प्रचार अधिकारी मनोज बारोट ने मीडिया को बताया कि 155 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रज्ञा पाटिल, संध्या दुबे, अभय कक्कड़, किरण पवार, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के जिला अध्यक्ष सोनी अरोरा, गुरजीत अरोरा, मीरा रावल अन्य साथियों के साथ उपस्थित रहे।

गढ़वाघाट मठ के स्वामी सद्गुरु परमहंस का आगमन, महाभंडारा 5 जनवरी को

मुंबई । देश भर में फैले करोड़ों लोगों के आराध्य संतमत अनुयायी आश्रम गढ़वाघाट मठ के स्वामी श्री 108 श्री सदगुरू स्वामी जी महाराज परमहंस का आगमन 8 दिसंबर को कांदिवली पूर्व के दामू नगर स्थित गढ़वाघाट आश्रम पर हो चुका है। 5 जनवरी 2025 रविवार को महाभंडारा एवं महाआरती भव्य आयोजन किया गया है । न्यास के ही प्रातः स्मरणीय संत सोनी बाबा ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान भक्त गण उनका दर्शन लाभ कर सकेंगे। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के राष्ट्रीय संगठक एवं पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव ने लोगों से भारी से भारी संख्या में उपस्थित रहकर दर्शन लाभ लेने की अपील की है ।

पास्को एक्ट में छात्रा से जबरन रेप करने के आरोपी को मिली 20 वर्ष की सजा व 75 हजार का जुर्माना भी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो उमेश कुमार की अदालत ने 10 वर्ष पूर्व कक्षा 8 की छात्रा से बलात्कार करने के आरोपी युवक को 20 वर्ष के कारावास व 75000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार खुटहन थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने डीआईजी वाराणसी को प्रार्थना पत्र दिया कि वह जाति का चमार व कमजोर व्यक्ति है। उसके गांव का निवासी अरमान शाह जो दबंग किस्म का व्यक्ति है। वह विदेश में भी लड़कियों की सप्लाई करता है। वह एक वर्ष पूर्व उसकी पुत्री को नशीला पदार्थ खिलाकर उसका अपहरण कर लिया था। तब पुलिस के हस्तक्षेप के बाद तीसरे दिन उसकी लड़की मिली थी। उसने धमकी दिया था कि वह फिर जब चाहेगा उसकी लड़की को उठा ले जाएगा। उसको शक है कि उसकी 14 वर्षीय कक्षा 8 की पुत्री, को 8 फरवरी 2014 को अरमान शाह अपहरण कर लिया होगा और उसकी दुष्कर्म के बाद हत्या कर दिया होगा अथवा उसे कहीं विदेश में बेच दिया होगा। डीआईजी के आदेश पर खुटहन थाने में लड़की के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ। 10 दिन बाद लड़की बरामद हुई। उसने बयान दिया की 8 फरवरी 2014 को उसकी मां ने खेत में घास लेने के लिए बुलाया था वह जा रही थी। तभी अरमान और घनश्याम उसका मुंह दबाकर खेत में उठा ले गए और उसके साथ दोनों ने बलात्कार किया। फिर उसे नशीला सेब खिला दिए जिससे वह नशे में हो गई। अरमान उसे गौस बड़ी मस्जिद के पास ले गया जहां दो अपरिचित लोगों को सौंप दिया। वे दोनों लोग उसे लखनऊ ले गये। फिर वहां से पंजाब लेकर चले गए। जहां उसके साथ कई दिनों तक लगातार दोनों ने बलात्कार किया। वह पंजाब से भाग गई। तब उसे विनोद मिला जिसके परिवार ने उसका सहयोग किया और नाबालिग किशोरी के पिता को सूचना देकर बुलाया। किशोरी ने बताया कि वह विनोद के साले दीपक श्रीवास्तव से अपने व परिवार की मर्जी से शादी कर ली थी और पति-पत्नी की तरह रह रही थी। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने दलित किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद अरमान को 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 75000 अर्थदंड से दंडित किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान घनश्याम की मृत्यु हो जाने से उसके खिलाफ मुकदमा समाप्त कर दिया गया।

500 सौ रुपये की शर्त के लिए तालाब पार करने के दौरान डूबा युवक, 15घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चंदौली शहाबगंज थाना क्षेत्र के कुंवा गांव में काजू चौहान (18) की तालाब में डूबने से मौत हो गई।काजू और उसके तीन दोस्तों के बीच तैरकर तालाब को पार करने की शर्त लगी थी। काजू ने एक बार तालाब पार कर लिया,वापस लौटते समय वो बीच तालाब में डूब गया।घटना सोमवार शाम की है पुलिस गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश कर रही है।वहीं 15 घंटे बाद भी शव न मिलने से आक्रोशित परिजनों ने इलिया-लेवा मार्ग पर जाम लगा दिया।पुलिस अधिकारी लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस और गांव वालों के अनुसार काजू चौहान और गांव के ही दो अन्य युवक तालाब किनारे बैठे थे।तीनों के बीच तालाब को तैरकर पार करने और वापस आने की शर्त लगी थी।काजू सबसे पहले तालाब में उतरा और एक बार तालाब को पार कर लिया. वापस तैरकर आते समय गहरे पानी में डूब गया।उसके दोस्तों ने उसकी मदद करने की कोशिश की, लेकिन वह बचा नहीं पाए. जिसके बाद दोनों युवकों ने घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी।लेकिन जब तक ग्रामीण व परिजन पहुंचते युवक तालाब में समा चुका था।इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों संग उसे खोजने का प्रयास किया। लेकिन 15 घंटे तक चले खोज अभियान के बाद काजू की तलाश पूरी नहीं हो सकी।इससे गुस्साए ग्रामीणों ने इलिया-लेवा मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।जाम की सूचना के बाद पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया. थाना प्रभारी शहाबगंज मिर्जा रिजवान बेग ने बताया कि 500 रुपये की शर्त के चक्कर में तालाब पार करने के दौरान युवक डूब गया। घटनास्थल पर पर पुलिस गोताखोरों की सहायता से युवक की तलाश कर रही है।सोमवार देर रात तक खोज की गयी।लेकिन युवक का पता नहीं चल सका. मंगलवार सुबह भी पुलिस गोताखोरों की टीम के साथ युवक की तलाश में जुटी रही।

मोटोरोला ने 9,999 रुपये में लॉन्च किया मोटो जी35 5जी

पटना । भारत के सर्वश्रेष्ठ 5जी स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने मोटो जी35 5जी के लॉन्च की घोषणा के साथ किफायती 5जी स्मार्टफोन बाजार में धूम मचा दी है। इस सेगमेंट के सबसे तेज 5जी स्मार्टफोन को इस सेगमेंट के सबसे ज्यादा 12 5जी बैंड्स के साथ लॉन्च किया गया है जिसकी कीमत 9,999 रुपये (4 जीबी प्लस 128 जीबी) है जो सहज एवं भविष्य के लिए तैयार 5जी अनुभव के लिए वीओएनआर कनेक्टिविटी, 4७4 मीमो तथा 4 कैरियर एग्रीगेशन को सपोर्ट करता है। लॉन्च के मौके पर मोटोरोला मोबिलिटी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, हमें किफायती 5जी सेगमेंट में गेम - चेंजिंग डिवाइस मोटो जी35 5जी को लॉन्च करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

कांदिवली के श्री राम कथा में भक्त हुए भावविभोर

मुंबई। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी के पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा तब भगवान श्री राम ने क्रोध मे जयंत के ऊपर ब्रम्हास का प्रयोग कर दिए जयंत डर कर भागने लगा यहाँ तक कि जयंत के माता पिता भी रक्षा करने से मना कर दिए। भागवान अंतर्यामी स्वरूप है और भगवान अपने भक्तों की रक्षा सदैव करते है। प्रभु श्रीराम का चरित्र अपने जीवन में अपनाने मात्र से ही सभी पापों का नाश हो सकता है। मंगलवार को यह कथा श्रवण करा रहे अयोध्या धाम स्थित असर्फी भवन के पीठाधीश्वर श्री 1008 जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीधराचार्य के मुखार विंदु द्वारा बहुत ही सुंदर कथा को श्रवण किया जा रहा है। कथा मे बैठे श्रद्धालु भक्त कथा श्रवण कर भावविभोर हो गए और पुरा पांडाल राममय हो गया और यह श्री राम कथा कांदिवली के ठाकुर कॉम्प्लेक्स स्थित मनपा मैदान सुरभि होटल के पास यह श्री राम कथा माधव सेवा समिति एवं श्री राम कथा मुंबई द्वारा भव्य और दिव्य श्रीराम कथा का आयोजन 7 दिसंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित किया गया है स्वामी जी का आशीर्वाद लेने पहुंचे श्री रामलीला उत्सव समिति के प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल, धड़क कामगार यूनियन के अध्यक्ष अभिजित राणे सहित कई गण अन्य मान्य लोग उपस्थित रहे। श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा मुंबई भाजपा के सचिव प्रमोद मिश्रा के नेतृत्व में तमाम भक्तों ने प्रभु श्री राम-काज को सफल बनाने मे लगे हुए है।

किसान सम्मान निधि के लिए कराये फार्मर रजिस्ट्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद के किसानों का आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है।इसके लिए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा रोस्टर जारी कर जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जा रही है। मंगलवार को जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा सदर तहसील के प्राथमिक विद्यालय बिशुनपुर पुलगुजर में एग्री स्टैक योजनान्तर्गत कराए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया। शिविर में तीन किसानों अवधेश, मुलायम एवं रामशंकर का जिलाधिकारी द्वारा स्वयं फार्मर रजिस्ट्री किया गया।उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर, खेत का रकवा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा, पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मन निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाएगा। किसान कार्ड के लिए जिले के हर राजस्व गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसमें कृषि विभागः पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग के दो- कर्मचारी रहेंगे। शिविर में गांव के संबंधित किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटों में किसान का अंश, आधार नंबर, ई- केवाईसी विवरण आदि दर्ज करेंगे। किसी प्रकार के स्वामित्व स्थानांतरण (विसारत, बैनामा आदि) होने पर किसान रजिस्ट्री में बदलाव किया जा सकेगा, इससे किसान के हर गाटे में हर सत्र में बोई जाने वाली फसल का विवरण भी शामिल किया जाएगा।

संघ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले बद्रीनारायण तिवारी के खिलाफ कोर्ट पहुंचा स्वयंसेवक

मुम्बई। देश के वरिष्ठ पद पर बैठे बद्रीनारायण तिवारी द्वारा संघ और हिन्दुत्व के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के मामले में आर एस एस स्वयंसेवक ने उनके खिलाफ कोर्ट से अवमानना नोटिस जारी करते हुए मुकदमा दर्ज कराकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पांच दिसंबर को मुम्बई सिविल कोर्ट में प्रीतेश शिवराम मिश्रा ने प्रयागराज स्थित बी पंत महाविद्यालय के कुलपति बद्रीनारायण तिवारी के खिलाफ पिटीशन दायर करते हुए भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत 233, 356 (1) (2) में मुकदमा दर्ज कराया है। गैरतलब है कि सोशल मीडिया यूट्यूब पर उपलब्ध एक वीडियो जो 2016 का बताया जा रहा है जिसमें तिवारी जे एन यू में जे एन यू टी ए के आयोजित कार्यक्रम में संघ के खिलाफ बोलते हुए दिख रहे हैं और छात्र उनको सुन रहे हैं। बद्रीनारायण तिवारी पूर्व से ही हिन्दुत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते रहे हैं। हिन्दू समाज को जातिवाद के नाम पर लोगों भड़काकर विद्रोह पैदा करने का प्रयास करते रहे हैं। प्रीतेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि बद्रीनारायण तिवारी कॉलेज में सभाएं सभाओं के दौरान छात्रों को आरएसएस के खिलाफ जातिवाद का आरोप लगाने का काम कर रहे हैं। जो की पूर्ण रूप से गलत है। जबकि आरएसएस किसी भी जातिगत एजेंडे पर काम नहीं करती है। आरएसएस दलित एवं अनुसूचित जाति के लोगों के घरों में जाकर भोजन करती है। उनकी समस्याओं को सुनती है। उनका समाधान करती है। आरएसएस के लीडर बाबा साहब देवरस ने दलित बस्तियों में घर-घर जाकर समरसता का अभियान चलाया था। इतना सब होने के बाद भी बद्रीनारायण तिवारी लोगों को संघ पर आरोप लगाकर अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कई सभाओं में आरएसएस और हिंदुओं के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग भी किया है। उन्होंने बद्री नारायण तिवारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

कोटक सिक्योरिटीज ने 2025 के लिए मार्केट आउटलुक जारी किया

पटना। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड ने 2025 के लिए अपनी मार्केट आउटलुक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में मैक्रो - इकोनॉमिक दृष्टिकोण के साथ - साथ इक्विटी, कमोडिटी और करेंसी आउटलुक को भी शामिल किया गया है, जिन पर निवेशक आने वाले साल में ध्यान दे सकते हैं। कोटक सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ, श्रीपाल शाह ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाए हुए है जो इसे वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक निवेश स्थान बनाता है। हम भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता पर पूरा भरोसा करते हैं, लेकिन इसके साथ ही हम निवेशकों को सतर्क आशावाद के साथ बाजार में दृष्टिकोण अपनाने की सलाह देते हैं।

पूनावाला फिनकॉर्प ने सलिल हजरनिस को चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर नियुक्त किया

मुंबई। साइरस पूनावाला ग्रुप की नॉन-बैंकिंग कंपनी पूनावाला फिनकॉर्प लिमिटेड ने सलिल हजरनिस को चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (सीटीओ) नियुक्त किया है। 11 सितम्बर 2024 को बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स ने उनकी नियुक्ति को हरी झंडी दी और यह नियुक्ति 10 दिसम्बर 2024 से प्रभावी होगी। सलिल, कंपनी में टेक्नोलॉजी से जुड़ी रणनीतियों, डिजिटल बदलावों और एआई आधारित ग्राहक समाधानों को बढ़ावा देंगे। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में लीडरशिप का करीब दो दशकों का अनुभव रखने वाले सलिल ने एंटरप्राइज आर्किटेक्चर, साफ़्टवेयर इंजीनियरिंग, और एआई इंटिग्रेशन जैसे कामों से जुड़ी अलग-अलग भूमिका में शानदार नतीजे दिए हैं। फिनसर्व कंपनी में हेड ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर इंडिया के तौर पर उन्होंने भारत, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के अहम मार्केट में एआई और एपीआई से जुड़े समाधानों, रीयल-टाइम इंटिग्रेशन, और प्लैटफॉर्म को आधुनिक बनाने के लिए बतौर लीडर काम किया। फिनसर्व से पहले सलिल ने केपजेमिनी में कई सीनियर भूमिकाओं में काम किया। यहां उन्होंने जटिल बदलावों और ग्राहकों को टेक्नोलॉजी आधारित समाधान देने के लिए काम किया। इसके अलावा, उन्होंने यहां ग्लोबल फाइनेंशियल संस्थाओं के ऋण देने संबंधी बिजनेस के लिए टेक्नोलॉजी से जुड़ी रणनीतियां बनाईं। पारम्परिक सिस्टम को आधुनिक बनाने, प्लैटफॉर्म की क्षमता बढ़ाने और ऋण और पेमेंट से जुड़े इनोवेटिव समाधान देने में उनकी विशेषज्ञता है। उनकी नियुक्ति पर पूनावाला फिनकॉर्प के मैनेजिंग डाइरेक्टर और सीईओ अरविन्द कपिल ने कहा, एआई, एंटरप्राइज आर्किटेक्चर और डिजिटल इनोवेशन के क्षेत्र में सलिल की विशेषज्ञता से हमारी लीडरशिप टीम में एक और सितारा जुड़ गया है। टेक्नोलॉजी से जुड़े बड़े बदलावों को लागू करने में उनकी महारथ सिद्ध है और ग्राहकों की बेहतर संतुष्टि के लिए हमें इसका लाभ मिलेगा। उनकी विशेषज्ञता से हम एनबीएफसी क्षेत्र में दूसरों से बेहतर काम कर पाएंगे।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के AIATS Plus Phase-2 के साथ NEET- 2025 की सफलता को करें अनलॉक

नई दिल्ली। परीक्षा की तैयारी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (अएरछ) ने NEET 2025 के उम्मीदवारों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया पर्सनलाइज्ड लर्निंग प्रोग्राम (व्यक्तिगत शिक्षण कार्यक्रम) AIATS प्लस फेज- 2 लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम 26 दिसंबर, 2024 से शुरू होकर ठएएळ 2025 परीक्षा तक चलेगा। इस कार्यक्रम में तीन डायग्नोस्टिक टेस्ट, सात मॉक परीक्षाएं और 26-पेपर की फाइनल टेस्ट सीरीज शामिल हैं, जो ऑनलाइन मोड में उपलब्ध होंगी और बाद में ऑफलाइन फॉर्मेट में भी उपलब्ध होंगी। AIATS प्लस फेज- 2 छात्रों को टारगेटेड टेस्ट्स, अभ्यास पत्र, एक्सपर्ट गाइडेंस और मल्टी फेस्टएड लर्निंग एक्सपीरियंस (बहुआयामी शिक्षण अनुभव) प्रदान करता है। यह कार्यक्रम NEET 2025 में सफलता पाने के लिए ऑथेंटिक टेस्ट सिम्युलेशन्स (प्रामाणिक टेस्ट सिमुलेशन) और एडवांस्ड स्टडी रिसोर्सेज (उन्नत अध्ययन संसाधनों) का उपयोग करके छात्रों की मदद करना चाहता है। कार्यक्रम में पर्सनलाइजेशन (वैयक्तिकरण) पर विशेष ध्यान दिया गया है। एडवांस्ड परफॉरमेंस एनालिसिस (उन्नत प्रदर्शन विश्लेषण) के माध्यम से, छात्र अपनी ताकत को पहचान सकते हैं और जिन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, उन्हें चिन्हित कर सकते हैं। यह डेटा-संचालित दृष्टिकोण कस्टमाइज्ड अभ्यास शीट्स और myAÔkÔsh ऐप के माध्यम से उपलब्ध एक इंटीग्रेटेड सपोर्ट सिस्टम (एकीकृत सहायता प्रणाली) द्वारा समर्थित है। तीन डायग्नोस्टिक टेस्ट और प्रत्येक मॉक टेस्ट के बाद, ऐप में कम से कम 5 प्रश्न दिए जाएंगे।

वसई विरार में मैराथन का आयोजन

वसई। वसई विरार शहर नगर निगम और वसई तालुका कला खेल विकास बोर्ड के सहयोग से 12वीं राष्ट्रीय वसई विरार शहर नगर निगम मैराथन-2024 नाला सोपारा विधायक राजन नाइक वसई विरार भाजपा अध्यक्ष महेंद्र पाटिल , पालघर खास दार डॉक्टर हेमंत सावरा,कपिल मत्रे, प्रज्ञा पाटिल, अभय कक्कड़, किरण पवार, मनोज बारोट और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह और खुशी के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

अनूठे अंदाज में किया रिसेप्शन पार्टी का आयोजन

मैसाना। गुजरात के मैसाना जिले में प्रवास कर रहे मावता निवासी भजन लाल प्रजापति ने अपने सुपुत्र जितेश की मैरिज पार्टी का आयोजन यहां के प्रसिद्ध उमंग पार्टी प्लॉट में भव्य रूप में किया।पार्टी का उमंग यहां की साज सजा एवं किए गए डेकोरेशन से देखते ही बनता था और व्यंजनों की महक दूर से ही अपनी ओर अतिथियों को खींच रही थी। आयोजित इस पार्टी में काफी संख्या में राजस्थानी लोग अपने परिवेश में नजर आए तो वहीं गुजराती और पंजाबी अतिथियों ने भी शिरकत की और अपने अपने अंदाज में रिसेप्शन पार्टी को एंजॉय किया तथा नव विवाहित दंपति को आशीर्वाद दिया। इस शुभ बेला पर बाबूलाल बिंवाल छापोली, किशोर कुमार, डॉक्टर राजेंद्र कुमावत, सुनील कुमावत, महिपाल कुमावत, शीशराम कुमावत, अशोक कुमावत, फूलचंद कुमावत, छीतरमल जलंधरा, सुआलाल, गंगाधर कुमावत, रामकिशन कुमावत, ग्यारसी लाल कुमावत, अशोक कुमावत, विक्रम कुमावत, मणिराम कुमावत, महिपाल जाट, वीरेंद्र सिंह फाजी, शंकर लाल कुमावत, हितेश, प्रदीप, अजय, विजय सहित मित्र गण व घर परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद पप्पू यादव व दरोगा यादव से कैलाश यादव ने की मुलाकात

नईदिल्ली। बिहार के पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव से राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव उत्तर यादव युवा संघ मैं एक औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान पप्पू यादव से विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। पप्पू यादव ने कहा कि समाज के लिए हमारी जहां भी जरूरत पड़ेगी हम तन मन धन से समाज के लिए हमेशा खड़ा रहुंगा। समाज का सेवा करना हमारा कर्तव्य है और हम समाज के लिए निष्ठा से आप लोगों के साथ में खड़े रहेंगे। उन्होंने ने कहा कि उत्तर यादव युवा संघ एक ऐसी संस्था है मैं जो सदा समाज हित में विभिन्न सामाजिक कार्य करती रहती है। मुंबई से चलकर राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव मुझसे मिलने के लिए आए गुजरात प्रदेश हरिराम यादव के माध्यम से मैं कैलाश को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्हीं के साथ में ग्रेटर नोएडा से कैलाश नाथ यादव से मुलाकात की और आजमगढ़ लालगंज के सांसद दरोगा सरोज से मुलाकात हुई। दरोगा सरोज कैलाश यादव का सम्मान किया और काफी मुद्दों पर चर्चाएं की।

अपना पूर्वांचल महासंघ ने की किसानों को ट्रैक्टर सब्सिडी देने की मांग

जौनपुर। भारत की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है, और पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों में छोटे और मझोले किसानों की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। इसी संदर्भ में अपना पूर्वांचल महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता अशोक कुमार दुबे ने सरकार से पूर्वांचल के किसानों के लिए कर्नाटक सरकार की तर्ज पर ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी देने की मांग की है। दुबे ने कहा कि पूर्वांचल के किसान अत्यंत मेहनती हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण वे आधुनिक और वाणिज्य खेती की ओर नहीं बढ़ पा रहे हैं। कर्नाटक सरकार ने 90 प्रतिशत सब्सिडी पर मिनी ट्रैक्टर उपलब्ध कराकर एक आदर्श उदाहरण पेश किया है। सरकार को पूर्वांचल के किसानों के लिए भी ऐसी योजनाएं लागू करनी चाहिए, ताकि क्षेत्र का आर्थिक और कृषि विकास हो सके। उन्होंने पूर्वांचल के विकास के लिए कुछ सुझाव दिए। आधुनिक उपकरणों पर सब्सिडीः मिनी ट्रैक्टर, हाईटेक कृषि उपकरण और सिंचाई उपकरणों पर विशेष छूट, स्मार्ट खेती के लिए प्रशिक्षणः किसानों को नई तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं, ऋण योजनाओं में सुधारः किसानों को आसान शर्तों पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया जाए, स्थानीय मंडियों को मजबूत करनाः किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए बाजार संरचना में सुधार, अपना पूर्वांचल महासंघ केवल कृषि ही नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी सरकार से लगातार संवाद कर रहा है। हाल ही में महासंघ ने पूर्वांचल में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग की, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो। इसके अलावा, महासंघ ने युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र खोलने की पहल की है। दुबे ने कहा कि किसान संगठनों और महासंघ को एकजुट होकर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक किसान सशक्त नहीं होंगे, तब तक पूर्वांचल का विकास अधूरा है। अगर सरकार इस मांग पर विचार करती है, तो यह न केवल किसानों की मदद करेगा, बल्कि पूर्वांचल के समग्र विकास में भी योगदान देगा। ₹अपना पूर्वांचल महासंघ इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।